आश्विन कृष्णा - 5 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 50 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 12-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार में विकास की नई लहर चल रही है : पीयूष गोयल

6 नेपाल में नेतृत्व संकट : अंतरिम सरकार क्या नई शुरुआत?

7 'मिर्जापुर: द मूवी' में फिर से कंपाउंडर के रूप में नजर आयेंगे अभिषेक बनर्जी

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया वायुसेना का विमान चेन्नई में उतरा

चेन्नई/भाषा। इंडोनेशिया की वायुसेना के तीन विमान बृहस्पतिवार को चेन्नई हवाई अड्डे पर उतरे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। तीनों विमान बृहस्पतिवार शाम चेन्नई पहुंचे लेकिन उनके भारत आने का उद्देश्य फिलहाल पता नहीं चल सका है। सूत्रों ने बताया कि इंडोनेशिया वायुसेना के ये विमान किसी अन्य गंतव्य की ओर जाते हुए चेन्नई आए हैं और इनके शुक्रवार को रवाना होने की संभावना है।

अंबुमणि रामदास पीएमके से निष्कासित

चेन्नई/भाषा। पट्टाली मक्कल कच्ची (पीएमके) के संस्थापक डॉ. एस. रामदास ने बृहस्पतिवार को अपने बेटे एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अंबुमणि को पार्टी से निष्कासित कर दिया। बाप-बेटे के बीच सत्ता संघर्ष के कारण पार्टी के इस फैसले की घोषणा करते हुए पार्टी संस्थापक एस रामदास ने अंबुमणि पर पार्टी के सामूहिक नेतृत्व का पालन करने से इनकार करते हुए एक अलग गुट चलाने का आरोप लगाया। विल्लुपुरम जिले में अपने थाईलापुरम स्थित आवास पर रामदास ने संवाददाताओं से कहा, ''अगर वह (अंबुमणि) चाहें, तो अपनी पार्टी शुरू कर सकते हैं और उन्हें इस पार्टी में बने रहने की जरूरत नहीं है, जिसकी मैंने (1980 में) स्थापना की थी और जिसे मैंने आगे बढ़ाया था।''

पंजाब पुलिस ने हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को फाजिल्का जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट संगठित हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया और 27 अत्याधुनिक पिस्तौल तथा 470 कारतूस बरामद करने के बाद दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 'काउंटर इंटेलिजेंस' (सीआई) फिरोजपुर और राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) फाजिल्का द्वारा यह अभियान शुरू किया गया। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि आरोपियों की पहचान फाजिल्का के तेजा रहेला निवासी मंगल सिंह उर्फ मंगली और फाजिल्का के मुहर जमशेर गांव निवासी गुरमीत सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता लगा है कि हथियारों की यह बड़ी खेप पाकिस्तान से एक विदेशी संस्था के ज़रिए मंगवाई गई थी और इसका इस्तेमाल राज्य के आपराधिक गिरोहों द्वारा किया जाना था। उन्होंने बताया कि आरोपी अपने विदेशी आकाओं के निर्देश पर इन हथियारों को आपराधिक समूहों के सदस्यों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे।

सूर्यास्त 12-09-2025 6:12 बजे	सूर्योदय 13-09-2025 5:57 बजे
BSE 81,548.73 (+123.58)	NSE 25,005.50 (+32.40)
सोना 11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 136,000 रु. प्रति किलो

भारत और मॉरीशस समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ व्यापक वार्ता के बाद कहा कि भारत और मॉरीशस स्थानीय मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार को सक्षम बनाने की दिशा में काम करेंगे। मोदी ने मीडिया को दिए बयान में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत और मॉरीशस दो देश हैं, लेकिन उनके सपने और नियति एक हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक मुक्त, खुला, सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध हिंद महासागर भारत और मॉरीशस दोनों की साझा प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ''इस संदर्भ में, भारत मॉरीशस के विशेष आर्थिक क्षेत्र की सुरक्षा और समुद्री क्षमता को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत हमेशा हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले और व्यापक सुरक्षा प्रदाता के रूप में खड़ा रहा है।''

मोदी ने चागोस द्वीप की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपे जाने के लिए हुए समझौते पर रामगुलाम और मॉरीशस के लोगों को बधाई दी और इसे द्वीपीय राष्ट्र की संप्रभुता की 'ऐतिहासिक जीत' बताया। उन्होंने कहा, ''भारत ने हमेशा से उपनिवेशवाद के उन्मूलन और मॉरीशस की संप्रभुता की पूर्ण मान्यता का समर्थन किया है। और इस मामले में, भारत मॉरीशस के साथ मजबूती से खड़ा है।''

मई में, ब्रिटेन ने एक ऐतिहासिक समझौते के तहत डिएगो गार्सिया के उष्णकटिबंधीय प्रवालद्वीप सहित चागोस द्वीप समूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंपने का फैसला किया। ब्रिटेन 50 से अधिक वर्षों के बाद इन द्वीपों पर अपना अधिकार छोड़ रहा है।

इस समझौते के तहत, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण डिएगो गार्सिया की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ब्रिटेन की होगी। रामगुलाम वर्तमान में 9 से 16 सितंबर तक भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। यह रामगुलाम की उनके वर्तमान कार्यकाल में भारत की पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है। वह अयोध्या और तिरुपति भी जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च में मॉरीशस की यात्रा की थी।

जलवायु वित्त एक निर्णायक मुद्दा : भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बृहस्पतिवार को कहा कि जलवायु वित्त, जलवायु कार्रवाई के लिए 'निर्णायक मुद्दा' है और विकसित देशों की नैतिक जिम्मेदारी है कि वे कम कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में 'ग्लोबल साउथ' का समर्थन करें।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है, जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित या अविकसित के रूप में जाना जाता है। ये देश मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं।

आज उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन को शुक्रवार को पद की शपथ दिलाएंगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन सुबह 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे।

राधाकृष्णन (67) ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों से हराया।

तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा 21 जुलाई को अचानक इस्तीफा दिए जाने के कारण यह चुनाव कराया गया।

उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद, राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल का पद छोड़ दिया।

राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

आध्यात्मिक ज्ञान और डिजिटल विज्ञान के बीच सकारात्मक समन्वय जरूरी : नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने बृहस्पतिवार को कहा कि धार्मिक सहिष्णुता, सामाजिक सद्भाव और विश्व बंधुत्व के लिए धार्मिक, आध्यात्मिक ज्ञान एवं डिजिटल विज्ञान का सकारात्मक समन्वय वक्त की जरूरत है। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में यह भी कहा कि जब विभिन्न डिजिटल मंच धार्मिक, सांस्कृतिक, सामाजिक मूल्यों के प्रति दुष्प्रचार, दुराग्रह और आधी अधूरी जानकारी परोसने की अंधी होड़ में लगे हों, तो वहां ऐसा समन्वय ज़रूरी है।

नकवी ने कहा, ''आज दुनियाभर में छह अरब से ज्यादा यानी विश्व की आबादी का 70 प्रतिशत से अधिक सोशल और डिजिटल नेटवर्किंग वेबसाइट से जुड़ी है। ऐसे में सावधानी की जरूरत है।'' पूर्व अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने कहा कि भारत आध्यात्मिक और धार्मिक सबक-संदेश की जन्मस्थली है और उसका उद्घोष, मानवीय मूल्यों, सद्भाव, सहिष्णुता, ज्ञान, विज्ञान का मार्गदर्शक रहा है और रहेगा।

16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

नारायणपुर (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। नक्सलियों ने बुधवार शाम यहां वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया ने बताया कि नक्सलियों ने ''खोखली'' माओवादी विचारधारा, निर्दोष आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों और प्रतिबंधित संगठन में बढ़ते आंतरिक मतभेदों को लेकर निराशा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी 16 नक्सली निचले स्तर के कैडर हैं, जो जनताना सरकार, चेतना नाट्य मंडली और माओवादी पंचायत मिलिशिया की विभिन्न इकाइयों से जुड़े थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ये लोग सशस्त्र माओवादी समूहों को राशन, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान बिना किसी भुगतान के पहुंचाने में सक्रिय रूप से संलिप्त थे।

तीनों सेनाओं के पहले महिला जलयात्रा नौकायन अभियान को रक्षा मंत्री ने हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अगले नौ महीनों में दुनिया के कुछ सबसे खतरनाक जल क्षेत्रों समेत लगभग 26,000 समुद्री मील की दूरी तय करने के लिए तीनों सेनाओं के महिला जलयात्रा अभियान को बृहस्पतिवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

नौकायन पोत त्रिवेणी पर सवार दस महिला अधिकारी 'समुद्र प्रदक्षिणा' नामक अभियान का हिस्सा हैं, जिसे दुनिया में इस तरह की पहली त्रि-सेवा यात्रा बताया जा रहा है।

अभियान की शुरुआत मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से हुई और रक्षा मंत्री ने इसे दिल्ली से ऑनलाइन तरीके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर अपने संबोधन में सिंह ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता, आत्मनिर्भर भारत और इसकी सैन्य तथा कूटनीतिक दूरदर्शिता का एक उज्ज्वल प्रतीक बताया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''10 महिला अधिकारी अगले नौ महीनों में स्वदेश निर्मित भारतीय सेना के नौकायन पोत (आईएएसवी) त्रिवेणी पर सवार होकर पूर्वी मार्ग पर लगभग 26,000 समुद्री मील की यात्रा करेंगी।''

इसने कहा, ''वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन अंतरीपों – लीउविन, हॉर्न और गुड होप – का चक्कर लगाएंगी और सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर तथा 'ड्रेक पैसेज' समेत कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को पार करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले यह दल चार अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों का भी दौरा करेगा।''

गंगा आरती

वाराणसी के दौरे पर आये मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम बृहस्पतिवार को अपनी पत्नी और प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ दशाश्वमेध घाट की विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल हुए। रामगुलाम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दिन में वार्ता करने के बाद शाम को गंगा आरती में शिरकत की।

अमेरिका के दुनिया में शीर्ष संबंधों वाले देशों में शामिल है भारत : रुबियो

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बृहस्पतिवार को कहा कि आज भारत अमेरिका के दुनिया में शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है और अमेरिका भारत के साथ इस संबंध में असाधारण बदलाव के दौर से गुजर रहा है।

रुबियो ने सीनेट की विदेश संबंध समिति के समक्ष भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर के नाम की पुष्टि के लिए सुनवाई के दौरान उनका परिचय दिया। रुबियो ने कहा कि वह गोर को काफी लंबे समय से जानते हैं और उन्हें जिस देश के लिए नामित किया गया है ''मैं कहूंगा कि वह आज अमेरिका के दुनिया में शीर्ष संबंधों वाले देशों में से एक है।''

पिछले महीने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि वह राष्ट्रपति कार्यालय के कार्मिक निदेशक गोर को भारत में अगला अमेरिकी राजदूत तथा दक्षिण एवं मध्य एशियाई मामलों के लिए विशेष दूत नियुक्त कर रहे हैं। नियुक्ति की पुष्टि होने पर गोर (38) भारत में सबसे कम उम्र के अमेरिकी राजदूत होंगे। रुबियो ने कहा कि 21वीं सदी में कहानी हिंद-प्रशांत क्षेत्र में लिखी जाएगी। वास्तव में, यह इतना महत्वपूर्ण है कि हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की कॉम्बेटैंट कमान का नाम बदल दिया है। भारत इसके केंद्र में है। उन्होंने कहा, हम भारत के साथ अपने संबंधों में एक असाधारण बदलाव के दौर से गुज़र रहे हैं।

रुपया अपने सबसे निचले स्तर 88.47 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। भारत और अमेरिका के बीच शुल्क मुद्दे पर जारी विवाद का घरेलू मुद्रा की कमजोरी पर भारी असर पड़ा और रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 36 पैसे टूटकर 88.47 (अस्थायी) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मुद्रास्फीति के आंकड़े आने से पहले अमेरिकी डॉलर में सुधार और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने निवेशकों की धारणा को और कमजोर किया।

कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव सनातन का पहला संस्कार : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करना सनातन धर्म का पहला संस्कार है। आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतिम दिन महंत अवेद्यनाथ जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित कर रहे थे।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय मनीषा के ज्ञान दर्शन में इस बात को प्रतिष्ठित किया गया है कि जीवन में हमारे, समाज और राष्ट्र के प्रति जिस किसी ने भी योगदान दिया हो, उसके लिए कृतज्ञता का भाव अवश्य होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने रामायणकाल में हनुमानजी और मैनाक पर्वत के बीच हुए संवाद का उद्धरण कृते च कर्तव्यं एषः धर्मः सनातनः को समझाते हुए कहा कि यह भाव सनातन धर्म की मूल चेतना से प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने हेतु आश्विन मास का कृष्ण पक्ष समर्पित किया गया है। गोरक्षपीठ में पूज्य ब्रह्मलीन महंतद्वय की पुण्यस्मृति में आयोजित यह साप्ताहिक कार्यक्रम भी कृतज्ञता ज्ञापन का एक आयाम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दादागुरु ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी और गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी का स्मरण करते हुए कहा कि महंतद्वय समाज, राष्ट्र और लोकजीवन से जुड़े हर मुद्दे पर सनातन धर्म और भारत के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध रहे। उन्होंने कहा, ''महंत दिग्विजयनाथ जी ने सनातन धर्म, शिक्षा, सेवा और राष्ट्रीयता के जिन मूल्यों और आदर्शों की स्थापना की, उन्हें महंत अवेद्यनाथ जी ने आत्मसात कर आगे बढ़ाया।

नेपाल के राष्ट्रपति ने की शांति की अपील, अंतरिम सरकार को लेकर गतिरोध जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। नेपाल सरकार के लिए अंतरिम प्रमुख के चयन को लेकर गतिरोध बृहस्पतिवार को भी जारी रहा, वहीं राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शांति की अपील करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य संवैधानिक ढांचे के भीतर राजनीतिक संकट का समाधान ढूंढना है।

अंतरिम सरकार के लिए राजनीतिक बातचीत जारी रहने के बीच काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है, जहां सेना संवेदनशील इलाकों में गश्त कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, सोमवार से शुरू हुए दो दिनों के हिंसक प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले 'जेन जेड' के प्रतिनिधियों ने अंतरिम सरकार के संबंध में शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक की, लेकिन वार्ता में इस मुद्दे पर गतिरोध उत्पन्न हो गया कि इसका नेतृत्व कौन करेगा।

वर्ष 1997 से लेकर 2012 तक के बीच जन्में युवाओं को प्राय: 'जेन जेड' पीढ़ी के नाम से जाना जाता है।

सूत्रों ने बताया कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की, काठमांडू के महापौर बालेन्द्र शाह, नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कुलमन घीसिंग और धरान के महापौर हरका उन लोगों में शामिल हैं, जिनके नाम पर प्रदर्शनकारी 'जेन जेड' समूह सरकार का नेतृत्व करने के लिए विचार कर रहा है।

खबरों के अनुसार, सोमवार को हिंसा शुरू होने के बाद से 25 से अधिक जेलों से 15,000 से अधिक कैदी भाग चुके हैं।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बस चुप्पी

जाति और वर्ग आधारित,
नेताओं को बस सहना है।
प्रतिभाओं को कमजोरों के,
सम्मुख झुक करके रहना है।
धर्मों की धाराओं में रम,
नासमझी के सँग बहना है।
मैं भारत का आम नागरिक,
मुझे नहीं कुछ भी कहना है।।

चूहों के हमले में दो नवजात बच्चियों की मौत 'घोर लापरवाही' : मप्र उच्च न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय (एमवायएच) में चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत के मामले का स्वत: संज्ञान लेते हुए इस घटना को 'पहली नजर में एमवायएच प्रशासन की घोर लापरवाही' करार दिया है।

उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विवेक रुसिया और न्यायमूर्ति जय कुमार पिल्लई ने इस मामले का स्वत: संज्ञान लिया। युगल पीठ ने कहा कि उसे अखबारों के समाचारों के आधार पर इस चौंकाने वाली घटना के बारे में पता चला जिसका जनहित याचिका के तौर पर स्वत: संज्ञान लिए जाने की जरुरत है। उच्च न्यायालय ने एमवायएच के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में चूहों के हमले के बाद दो नवजात बच्चियों की मौत का हवाला देते हुए बुधवार के आदेश में कहा, पहली नजर में यह (घटना) एमवायएच प्रशासन की घोर लापरवाही प्रतीत होती है।

युगल पीठ ने इस मामले में प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव, इंदौर के शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता (डीन), इंदौर संभाग के आयुक्त (राजस्व), इंदौर के जिलाधिकारी और इंदौर के पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय ने अतिरिक्त महाधिवक्ता को निर्देश दिया है कि वह मामले से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतियों के साथ नोटिस का जवाब पेश करें।

उच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि वह मामले से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट की प्रतियों के साथ नोटिस का पेश करे जवाब

अदालत ने इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता पीयूष माथुर को न्याय मित्र नियुक्त किया और अगली सुनवाई के लिए 15 सितंबर की तारीख तय की। सूबे के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में गिना जाने वाला एमवायएच, शासकीय महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय से जुड़ा है। एमवायएच के अधिकारियों ने बताया कि 31 अगस्त और एक सितंबर की दरम्यानी रात को अस्पताल के आईसीयू में चूहों ने अलग-अलग जन्मजात विकृतियों से जूझ रही दो नवजात बच्चियों पर हमला किया जिसके बाद उनकी मौत हो गई थी। इनमें से एक बच्ची का परिवार देवास जिले में रहता है, जबकि दूसरी बच्ची का परिवार धार जिले का निवासी है। घोर लापरवाही के आरोपों से घिरे एमवायएच प्रशासन का दावा है कि दोनों नवजात बच्चियों की मौत का चूहों के काटने से कोई लेना-देना नहीं है और उन्होंने अलग-अलग जन्मजात विकृतियों के कारण पहले से मौजूद गंभीर स्वास्थ्यगत परेशानियों के कारण दम तोड़ा। चूहों के काटे जाने के बाद नवजात बच्चियों की मौत के मामले में एमवायएच प्रशासन अब तक आठ अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई कर चुका है जिसमें निलंबन और पद से हटाए जाने के कदम शामिल हैं। इस बीच, एमवायएच के अधीक्षक डॉ. अशोक यादव अपने 'अत्यंत खराब स्वास्थ्य' का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार से 15 दिन की छुट्टी पर चले गए हैं। सामाजिक संगठनों के साथ ही दोनों मृत नवजात बच्चियों के परिवारों ने महाविद्यालय के डीन और एमवायएच के अधीक्षक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पूरी नहीं होने पर असंतोष जताया है।

छत्तीसगढ़: गरियाबंद में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में कम से कम आठ नक्सलियों को ढेर किया

गरियाबंद/भाषा। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में कम से कम आठ नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रायपुर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा ने बताया कि गरियाबंद जिले के मैनपुर क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में कम से कम आठ नक्सलियों को मार गिराया। मिश्रा ने बताया कि मैनपुर क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना मिलने पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और जिला बल के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार सुबह से क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है।

व्यापार समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत सकारात्मक माहौल में जारी : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) को लेकर बातचीत सकारात्मक माहौल में आगे बढ़ रही है और दोनों देश अब तक हुई प्रगति से संतुष्ट हैं।

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के व्यापार मंत्रियों को इस समझौते के पहले चरण को नवंबर 2025 तक पूरा करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, व्यापार समझौते को लेकर चर्चा मार्च से ही गंभीरता के साथ चल रही है। यह प्रगति कर रही है और दोनों देश इससे संतुष्ट हैं। गोयल ने बुधवार को भी कहा था कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए 'सक्रिय वार्ता' कर रहा है। इससे पहले ट्रंप ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि दोनों देशों के बीच बातचीत सफल नतीजे तक पहुंचने में 'कोई मुश्किल' नहीं होगी और वह जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने को उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रंप की सकारात्मक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए मंगलवार को कहा था कि चल रही वार्ता दोनों देशों की साझेदारी की असीम संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगी। दोनों देशों के बीच मार्च से अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है, जबकि छठा दौर अमेरिकी टीम की यात्रा स्थगित होने के कारण टल गया।

दशहरा के उद्घाटन के लिए बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के खिलाफ नयी जनहित याचिकाएं दायर

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय को तीन और जनहित याचिकाएं प्राप्त हुई हैं, जिनमें राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के 'मैसूरु दशहरा' के उद्घाटन के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को आमंत्रित करने के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं पर अभी सुनवाई होनी है। मैसूरु जिला प्रशासन ने पिछले सप्ताह विपक्षी भाजपा सहित कुछ वर्गों की आपत्तियों के बावजूद, मुश्ताक को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया था।

बेंगलूरु निवासी एचएस गौरव द्वारा दायर एक याचिका में राज्य सरकार को दशहरा उद्घाटन के लिए मुश्ताक को आमंत्रित करने के अपने फैसले को वापस लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि दशहरा उत्सव के उद्घाटन को हिंदू परंपरा का एक अभिन्न अंग घोषित किया जाए और हिंदू प्रथाओं के अनुसार इसे केवल हिंदू गणमान्य व्यक्तियों द्वारा ही कराया जाए। बेंगलूरु के उद्योगपति टी. गिरीश कुमार और अभिनव भारत पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर. सौम्या ने भी इसी तरह की जनहित याचिकाएं दायर की हैं। पिछले हफ़्ते, भाजपा नेता और मैसूरु के पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा ने मुश्ताक को राज्य सरकार द्वारा दिए गए निमंत्रण पर रोक लगाने की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था। यह विवाद उन आरोपों से उपजा है, जिनमें कहा गया है कि मुश्ताक ने अतीत में ऐसे बयान दिए हैं जिन्हें कुछ लोग हिंदू संस्कृति विरोधी मानते हैं।

सेंट मैरी मेट्रो स्टेशन को लेकर फडणवीस ने कर्नाटक सरकार पर निशाना साधा, कहा - यह शिवाजी का अपमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी रखने को लेकर बृहस्पतिवार को पड़ोसी राज्य कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने हाल ही में कहा था कि उनकी सरकार ''सेंट मैरी बेसिलिका'' में वार्षिक समारोह के दौरान किए गए अनुरोध के बाद बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी रखने पर विचार करेगी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दावा किया था कि इस तरह के सामुदायिक अनुरोधों का जवाब देना असामान्य नहीं है। फडणवीस ने यहां पत्रकारों से कहा, ''मैं बेंगलुरु के शिवाजीनगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर सेंट मैरी के नाम पर रखने के कर्नाटक सरकार के कदम की निंदा करता हूं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान है। कांग्रेस ने मराठा योद्धा शासक का अपमान करने की अपनी परंपरा नेहरू के समय से जारी रखी है, जिन्होंने अपनी किताब 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' में शिवाजी महाराज के खिलाफ टिप्पणी की थी।''

फडणवीस ने कहा कि वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि सिद्धरमैया को सद्बुद्धि दें कि वह धर्म पर आधारित और शिवाजी महाराज के विरुद्ध ऐसा निर्णय न लें।

कुछ विपक्षी नेताओं की इस टिप्पणी पर कि भारत में भी नेपाल और श्रीलंका तथा बांग्लादेश जैसी अशांत स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, फडणवीस ने कहा कि विपक्ष का स्तर गिर गया है। उन्होंने कहा, ''आप सरकार के कार्यक्रमों और नीतियों की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन समाज और देश की नहीं।'' उन्होंने मराठा आरक्षण संबंधी सरकारी आदेश की आलोचना करने वालों से इस दस्तावेज़ को ध्यान से पढ़ने का आग्रह किया।

महाराष्ट्र उद्योगों और निवेश के लिए सर्वोत्तम स्थान : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य उद्योगों और निवेशकों के लिए सबसे अच्छा माहौल प्रदान करता है, जिससे यह देश में निवेश के लिए सबसे पसंदीदा जगह बन गया है।

जियो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में भारत-ऑस्ट्रेलिया फोरम के ग्लोबल लीडर मीट में फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों और उद्यमियों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई उद्योगों को अपशिष्ट जल प्रबंधन, सौर ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और बंदरगाह आधारित विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया। सरकार विभिन्न क्षेत्रों के लिए व्यापक नीतियां बना रही है, और सेवा क्षेत्र सहित 14 क्षेत्रों के लिए नीतियों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। सेवा क्षेत्र राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। व्यवसायों को आसानी से चलाने के लिए, सरकार ने 'मैत्री पोर्टल' शुरू किया है। यह एकल खिड़की प्रणाली है, जो उद्यमियों को शीघ्र मंजूरी प्राप्त करने में मदद करेगी, ताकि राज्य में निवेश का अनुभव सकारात्मक रहे।

न्यायालय ने पूछा: राज्यपाल अपने कर्तव्य में विफल रहते हैं तो क्या चुप रहा जाए, फैसला सुरक्षित रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को विधेयकों को मंजूरी देने के संबंध में राष्ट्रपति के संदर्भ पर फैसला सुरक्षित रखते हुए पूछा कि यदि राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदाधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में विफल रहते हैं तो क्या वह निष्क्रिय बैठ सकता है।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने 10 दिन तक चली मैराथन सुनवाई में राष्ट्रपति के संदर्भ पर अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, अभिषेक सिंघवी, गोपाल सुब्रमण्यम, अरविंद दातार और अन्य सहित कानूनी दिग्गजों की दलीलें सुनीं। यह अनुच्छेद 200 और 201 के आसपास केंद्रित था और मुख्य मुद्दा यह था कि क्या संवैधानिक न्यायालय राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए विधेयकों को मंजूरी देने के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रमनाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल थे। इसने दलीलों के अंतिम दिन मेहता को उस समय टोका जब उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण को संविधान की मूल संरचनाओं में से एक बताया और कहा कि न्यायालय को समयसीमा तय नहीं करनी चाहिए और राज्यपालों की विवेकाधीन शक्तियों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। प्रधान न्यायालधीश ने कहा, ''कोई भी व्यक्ति चाहे कितने भी ऊँचे पद पर क्यों न हो, संविधान के संरक्षक (उच्चतम न्यायालय का संदर्भ) के रूप में... मैं सार्वजनिक रूप से कहता हूँ कि मैं शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास रखता हूँ और यद्यपि न्यायिक सक्रियता होनी चाहिए, लेकिन न्यायिक अतिवाद या दुस्साहस नहीं होना चाहिए। साथ ही, यदि लोकतंत्र का एक पक्ष कर्तव्य का निर्वहन करने में विफल रहता है, तो क्या संविधान का संरक्षक शक्तिहीन होकर निष्क्रिय बैठा रहेगा?'' मेहता ने कहा, ''केवल न्यायालय ही नहीं, कार्यपालिका भी नागरिकों के मौलिक अधिकारों की संरक्षक है... विधायिका भी संरक्षक है, तीनों अंग संरक्षक हैं।'' विधि अधिकारी ने कहा, ''लेकिन, एक समन्वय संवैधानिक पदाधिकारी के विधायी विवेकाधीन कार्यों के संबंध में राज्यपालों को परमादेश (किसी व्यक्ति को सार्वजनिक कर्तव्य निभाने के लिए कहने वाला रिट) जारी करना शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन होगा और शक्तियों का यह पृथक्करण मूल संरचना का एक हिस्सा है।'' मेहता ने कहा कि राज्यपाल किसी विधेयक पर हमेशा के लिए नहीं बैठ सकते, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि अनुच्छेद 200 के तहत उनके पास विवेकाधीन शक्तियां नहीं हैं और ''स्ट्रेटजैकेट फॉर्मूला'' के रूप में मंजूरी देने के लिए समयसीमा तय की जा सकती है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा अध्यादेश जारी करने के मामले में भी राज्यपालों की विवेकाधीन शक्तियों को रेखांकित किया। विपक्ष शासित राज्यों की दलीलों के जवाब में मेहता ने पूछा, ''मान लीजिए कि एक राज्य विधानमंडल एक विधेयक पारित करता है जिसमें घोषणा की जाती है कि वह अब भारत संघ का हिस्सा नहीं रहेगा, राज्यपाल के पास सहमति को रोकने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।''

क्या सरकार 'वोट चोरी' की उजागर होने जा रही सच्चाई से घबरा गई है: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राहुल गांधी द्वारा सुरक्षा 'प्रोटोकॉल' का उल्लंघन किए जाने के केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के दावे के समय को लेकर बृहस्पतिवार को सवाल खड़े किए और कहा कि यह सब इसलिए हो रहा है क्योंकि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष 'वोट चोरी' के खिलाफ जारी अभियान की अगुवाई कर रहे हैं।

पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के 'हाइड्रोजन बम' वाले खुलासे का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए यह सवाल भी किया कि क्या सरकार उस सच्चाई से घबरा गई है जो उजागर होने वाली है। सीआरपीएफ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर दावा किया है कि राहुल गांधी ने अपनी आवाजाही के दौरान कथित तौर पर कुछ सुरक्षा 'प्रोटोकॉल' का उल्लंघन किया।

सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षा शाखा, लोकसभा में विपक्ष के नेता 55 वर्षीय गांधी को 'जेड प्लस (एएसएल)' सुरक्षा प्रदान करती है। खेड़ा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''सीआरपीएफ के पत्र का समय और इसे तुरंत सार्वजनिक रूप से जारी करने से कई सवाल खड़े होते हैं। राहुल गांधी निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से भाजपा की 'वोट चोरी' के खिलाफ अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।'' उन्होंने सवाल किया कि क्या यह विपक्ष के नेता को डराने-धमकाने का परोक्ष प्रयास है, जिन्होंने पहले ही एक और आसन्न खुलासे की घोषणा कर दी है? खेड़ा ने कहा, ''क्या सरकार उस सच्चाई से घबरा गई है जो वह उजागर करने जा रहे हैं?''

जैव ईंधन उत्पादक एथनॉल उत्पादन बढ़ाएं, निर्यात पर ध्यान दें : प्रल्हाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बृहस्पतिवार को जैव ईंधन उत्पादकों से एथनॉल का उत्पादन बढ़ाने को कहा ताकि वैश्विक बाजारों में इसका निर्यात किया जा सके। जोशी ने भारत शुगर एंड बायो-एनर्जी कॉन्फ्रेंस 2025 में एथनॉल मिश्रण, ऊर्जा सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि के क्षेत्र में भारत की प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों का संगठन सतत विकास को आगे बढ़ाने और भारत की पर्यावरण अनुकूल जैव-अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे जोशी ने कहा, ''सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास के साथ, हम 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में ईंधन में एथनॉल मिश्रण 1.5 प्रतिशत था और आज यह 20 प्रतिशत है। पिछले 11 वर्षों में 13 गुना वृद्धि है।

जोशी ने कहा कि एथनॉल मिश्रित ईंधन की ओर बदलाव से ऊर्जा सुरक्षा, महत्वपूर्ण आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ प्राप्त हुए हैं।

वरिष्ठ मंत्री ने कहा कि आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करके भारत ने 1.44 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा बचाई है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में भारतीय चीनी क्षेत्र ने एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। इस परिवर्तन के केंद्र में राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और एथनॉल मिश्रित कार्यक्रम हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य जैव ईंधनों के प्रचार-प्रसार पर जोर देना और चीनी मिलों के उत्पादों की विविधता बढ़ाकर नए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत उत्पन्न करना है।

जोशी ने कहा कि सरकार की पहल से न केवल किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हुआ है, बल्कि मिलों और किसानों दोनों के लिए आय का एक अतिरिक्त स्रोत भी पैदा हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में गन्ने का उत्पादन 40 प्रतिशत और चीनी का उत्पादन 58 प्रतिशत बढ़ा है।

जोशी ने कहा, ''मैं जैव ईंधन उत्पादकों से आग्रह करूंगा कि वे एथनॉल उत्पादन बढ़ाएं और वैश्विक बाजार में प्रवेश करें। उद्योग को सतत नवाचार और नई तकनीकों को अपनाने पर ध्यान देना चाहिए ताकि उत्पादन, दक्षता और रोजगार बढ़ सके।'' उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं को उचित कीमत पर चीनी उपलब्ध कराई है और गन्ना किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया है।

भाजपा नेता सीटी रवि के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बेंगलूरु। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सीटी रवि के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर पर कर्नाटक से कांग्रेस विधायक कोना रेड्डी की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि राज्य में चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन भाजपा नेता लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं। दरअसल, भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सीटी रवि पर भड़काऊ भाषण देने को लेकर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के मुताबिक, यह भाषण उत्तेजक और भड़काने वाला था। कांग्रेस विधायक कोना रेड्डी ने कहा, पूर्व मंत्री सीटी रवि ने मड्डुर में भड़काऊ बयान दिया था। मैं उनको बताना चाहता हूं कि चुनाव अभी दूर हैं और विपक्ष के नेता के नाते उन्हें सरकार को सुझाव देने चाहिए, लेकिन वह सुझाव देने के बजाय लोगों को भड़काने का काम कर रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग कानून के बाद ड्रीम11, तीन अन्य स्टार्टअप यूनिकॉर्न सूची से बाहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सरकार के पैसा आधारित गेमिंग कंपनियों की गतिविधियों को विनियमित करने के लिए कानून पेश किए जाने के बाद, ड्रीम11 और गेम्स247 सहित चार स्टार्टअप ने प्रतिष्ठित यूनिकॉर्न का दर्जा खो दिया है। बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

यूनिकॉर्न सूची से बाहर होने वाले पैसा आधारित गेम (आरएमजी) से जुड़ी दो अन्य स्टार्टअप गेम्सक्राफ्ट (तीन करोड़ उपयोगकर्ता) और मोबाइल प्रीमियर लीग (नौ करोड़) हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि ड्रीम11 के 26 करोड़ उपयोगकर्ता हैं जबकि गेम्स247 के 12 करोड़ उपयोगकर्ता हैं।

एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया यूनिकॉर्न एंड फ्यूचर यूनिकॉर्न रिपोर्ट 2025 में कहा गया है कि लोकप्रिय 'ज़ूपी' और 'विंजो गेम्स' के मूल्यांकन भी इस कानून के कारण प्रभावित हुए हैं। हालांकि, ये दोनों यूनिकॉर्न नहीं थे।

यूनिकॉर्न ऐसे स्टार्टअप होते हैं जिनका मूल्यांकन एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होता है।

पिछले महीने, संसद ने पैसे के जरिये खेले जाने वाले सभी ऑनलाइन गेम पर प्रतिबंध लगाने और ई-स्पोर्ट्स तथा ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिए एक विधेयक पारित किया। यह कानून ऑनलाइन मनी गेम से संबंधित विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगाता है साथ ही बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ऐसे किसी भी गेम के लिए धन उपलब्ध कराने या हस्तांतरित करने से रोकता है।

रिपोर्ट में कहा गया, ''इन बदलावों ने भारत की सबसे प्रमुख आरएमजी कंपनियों के मूल्यांकन को प्रभावित किया है।'' साथ ही, इन स्टार्टअप को प्रचार पर प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी वृद्धि की रफ्तार धीमी होगी और कर संबंधी आवश्यकताएं सख्त हो जाएंगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस कानून ने निवेशकों का विश्वास कम किया है और यह उद्योग को दीर्घकाल में भरोसा बनाने और स्थिरता हासिल करने में मदद कर सकता है।

सरकार के इस कदम के बाद, आरएमजी कंपनियों ने भारतीय क्रिकेट टीम का प्रायोजन बंद करने और अपने कर्मचारियों के एक बड़े हिस्से को नौकरी से निकालने सहित कई कदम उठाए हैं।

इस बीच, आरएमजी कंपनियों के मूल्यांकन में गिरावट के बावजूद, इस साल यूनिकॉर्न सूची में भारतीय स्टार्टअप की कुल संख्या छह बढ़कर 73 हो गई।

इस साल 11 नए यूनिकॉर्न शामिल हुए, जिनमें एआई.टेक, नवी टेक्नोलॉजीज, विवृति कैपिटल, वेरिटास फाइनेंस, रैपिडो, नेत्रडाइन, जंबोटेल, डार्विनबॉक्स, मनीव्यू, जसपे और ड्रूल्स शामिल हैं।

ब्रोकरेज कंपनी जीरोधा 8.2 अरब डॉलर के साथ सबसे मूल्यवान भारतीय स्टार्टअप है। इसके बाद फिनटेक रेजरपे और आईकेयर पर केंद्रित लेंसकार्ट 7.5-7.5 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

पूंजीगत उत्पादों पर जीएसटी बढ़ने से तेल, गैस क्षेत्र की परिचालन लागत बढ़ी: फिक्की

नई दिल्ली/भाषा। तेल, गैस और कोल बेड मीथेन (सीबीएम) क्षेत्रों में उपयोग होने वाले पूंजीगत उत्पादों पर हाल ही में जीएसटी बढ़ाने से परिचालन लागत बढ़ गई है और आयात निर्भरता कम करने के प्रयास प्रभावित हो रहे हैं। उद्योग मंडल फिक्की ने यह बात कही है। पूंजीगत वस्तुओं के दायरे में मशीनरी, पंप, ड्रिलिंग उपकरण जैसे सामान आते हैं जिनका उद्योग या उत्पादन प्रक्रिया में लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाता है।

फिक्की ने नौ सितंबर को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को लिखे एक पत्र में कहा कि पूंजीगत उत्पादों पर माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को बढ़ाना हाल ही में पारित तेल-क्षेत्र नियमन एवं विकास अधिनियम के मकसद के उलट है। इस कानून का मकसद खोज और उत्पादन परिचालकों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करना है। पूंजीगत वस्तुओं पर जीएसटी दर में हाल ही में वृद्धि की गई है। पहले यह दर 12 प्रतिशत थी, जिसे बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। उद्योग मंडल ने कहा, तेल, प्राकृतिक गैस और सीबीएम क्षेत्रों में पूंजीगत वस्तुओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने से परिचालन पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। ये क्षेत्र जोखिम पूंजी पर निर्भर हैं, जिससे निवेशों में कमी और निवेशकों का भरोसा प्रभावित होता है। फिक्की ने कहा कि सीबीएम क्षेत्र में अब तक राजस्व साझेदारी का मॉडल अपनाया गया है और कोई लागत वसूली नहीं होती है। ऐसे में जीएसटी बढ़ाने का कदम आयात निर्भरता घटाने के रोडमैप के खिलाफ है। उद्योग मंडल ने सुझाव दिया है कि जीएसटी दरों पर पुनर्विचार किया जाए और खोज एवं उत्पादन अनुबंधों के अनुरूप कर बोझ को शून्य किया जाए। यह कदम घरेलू प्राकृतिक गैस उत्पादन को बढ़ावा देगा।

कालाबाज़ारी के कारण किसानों को उर्वरकों की बजाय लाठियाँ मिल रही हैं : सिंघार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में उर्वरक लेने के लिए कतारों में खड़े किसानों को पुलिस लाठीचार्ज का सामना करना पड़ रहा है, जबकि राज्य में उर्वरकों का अतिरिक्त भंडार मौजूद है।

मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि पुलिस ने दो सितंबर को रीवा की करहिया मंडी और आठ सितंबर को भिंड की वृहतकर सहकारी संस्था पर किसानों पर लाठीचार्ज किया। उन्होंने खाद वितरण में राज्य सरकार पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। सिंघार ने यहाँ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राज्य सरकार कालाबाज़ारियों के हाथों में खेल रही है। उन्होंने मोहन यादव के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और उर्वरक नियंत्रण आदेश, 1985 के तहत पूर्ण अधिकार होने के बावजूद उर्वरकों की कालाबाज़ारी रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। लोकसभा में 25 जुलाई, 2025 को रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के उत्तर और मासिक बुलेटिनों का हवाला देते हुए सिंघार ने कहा कि राज्य में पिछले तीन वर्षों से 16.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 7.11 लाख मीट्रिक टन डायमोनियम फ़ॉस्फ़ेट (डीएपी) का अधिशेष है। यूरिया और डीएपी फसलों की वृद्धि के लिए नाइट्रोजन और फ़ॉस्फ़ोरस प्रदान करने वाला एक व्यापक रूप से प्रयुक्त उर्वरक है। उन्होंने कहा कि समस्या वितरण और प्रबंधन में विफलता है, न कि उर्वरकों की कमी है।

सिंघार ने कहा, आज किसानों को लाठियों से पीटा जा रहा है। कल, वही किसान अपने वोटों से बदला चुकाएँगे। मुद्दा उर्वरकों की कमी नहीं, बल्कि राज्य सरकार की योजना और प्रबंधन की विफलता है। उन्होंने आरोप लगाया, 1.50 लाख करोड़ रुपए से ज़्यादा के वार्षिक बजट और (रसायन एवं उर्वरक) मंत्रालय की ज़िम्मेदारी भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के पास होने के बावजूद, किसानों को उर्वरक न मिलना सरकार की सबसे बड़ी विफलता है। सिंघार ने कहा कि मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान 45 प्रतिशत से ज़्यादा है और उर्वरक की माँग और खपत में देश में दूसरे स्थान पर होने के बावजूद, राज्य किसानों को उर्वरक की आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रहा है।

प्रदेश के पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने खरीफ़ और रबी सीज़न की माँग का वैज्ञानिक आकलन नहीं किया और किसान कल्याण एवं कृषि विकास, सहकारिता विभागों और मध्य प्रदेश कृषि उद्योग विकास निगम के बीच समन्वय स्थापित करने में भी विफल रही।

उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने स्वतंत्रता सेनानी इम्मानुएल शेखरन को दी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी व समाज सुधारक इम्मानुएल शेखरन की 68वीं गुरु पूजा में शामिल होने के बाद गुरुवार सुबह चेन्नई रवाना हो गए।

इस दौरान मदुरै हवाई अड्डे पर उनके साथ आए कुछ पार्टी पदाधिकारियों को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने प्रवेश करने से रोक दिया, जिससे वहां थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा। इम्मानुएल शेखरन का निधन 11 सितंबर 1957 को हुआ था। उनकी पुण्यतिथि को तमिलनाडु में गुरु पूजा के रूप में मनाया जाता है। बुधवार को उप मुख्यमंत्री स्टालिन इम्मानुएल शेखरन को श्रद्धांजलि देने के लिए मदुरै पहुंचे थे। मदुरै के एक निजी रिसॉर्ट में रात बिताने के बाद वह गुरुवार सुबह रामनाथपुरम में स्थित परमकुडी में इम्मानुएल शेखरन के स्मारक गए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद उदयनिधि स्टालिन अपने बहनोई सबरीसन के पिता की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए कार से मदुरै हवाई अड्डे तक गए और इंडिगो की फ्लाइट से चेन्नई रवाना हुए। उनके साथ मंत्री केकेएसएसआर रामचंद्रन, थंगम थेन्नारसु, मूर्ति और राजकन्नप्पन भी मौजूद थे। जब उपमुख्यमंत्री और अन्य मंत्री हवाई अड्डे में प्रवेश कर रहे थे तो उनके साथ आए कुछ पार्टी पदाधिकारियों और विधायकों ने भी अंदर जाने की कोशिश की। इस पर सीआईएसएफ ने सुरक्षा नियमों का हवाला देते हुए बिना पास वाले सभी लोगों को रोक दिया।

सीआईएसएफ ने केवल उन्हीं लोगों को अंदर जाने दिया, जिनके पास प्रवेश पास था। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों और सीआईएसएफ में बहस भी हुई। बाद में, उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन इंडिगो की उड़ान से चेन्नई रवाना हो गए।

जेआईपीएमईआर में सुनामी मॉक ड्रिल का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) की सिफारिशों के अनुसार, पुडुचेरी सरकार की आपदा तैयारी पहल के तहत, जिपमेर, पुडुचेरी ने 11 सितंबर सुनामी मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य प्राकृतिक आपदा की स्थिति में संस्थागत तत्परता, अंतर-एजेंसी समन्वय और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल का परीक्षण करना था। आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने अस्पताल कार्यालय, नर्सिंग विभाग, सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाओं और अन्य सहायक सेवाओं के साथ मिलकर इस अभ्यास का समन्वय किया। इस अभ्यास में सुनामी की चेतावनी और घायलों को सामूहिक रूप से सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने का अनुकरण किया गया। अग्निशमन एवं सुरक्षा, सुरक्षा, स्टोर, चिकित्सा एवं पुनर्वास विभाग, शारीरिक शिक्षा विभाग और ग्राउंड स्टाफ के सहयोग से, नर्सिंग और चिकित्सा दल घायलों की सामूहिक आपातकालीन चिकित्सा देखभाल में शामिल थे। अस्सी नर्सिंग छात्रों ने स्वैच्छिक रूप से रोगियों और उनके परिचारकों के रूप में भाग लिया।

टीम ने एसटीएआरटी ट्राइएजिंग की, रेड और येलो ज़ोन के मरीज़ों को स्थिर किया, गंभीर मामलों को उच्च केंद्रों में रेफर किया और ग्रीन ज़ोन के मरीज़ों को छुट्टी दे दी। यह अभ्यास टीम के सदस्यों की तैयारियों और मौजूदा समझ में कमियों को पहचानने का एक अभ्यास है। अभ्यास के एक भाग के रूप में, ड्रिल में तकनीकी तैयारियों के महत्वपूर्ण पहलुओं का परीक्षण किया गया।

जिपमर के कार्यवाहक चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विनोद कुमार, जिन्होंने इस अभ्यास के आधिकारिक पर्यवेक्षक के रूप में कार्य किया, ने अभ्यास के दौरान प्रदर्शित समन्वित प्रतिक्रिया की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास ने समय पर कार्रवाई, अंतर-एजेंसी सहयोग और व्यवस्थित तैयारी के महत्व पर प्रकाश डाला, और विश्वास व्यक्त किया कि इस तरह के अभ्यास संकट के समय में प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने की जिपमर की क्षमता को और बढ़ाएँगे।

अभ्यास पर टिप्पणी करते हुए, जिपमर के निदेशक डॉ. वीर सिंह नेगी ने नियमित तैयारी गतिविधियों के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा, एक सुरक्षित, मज़बूत और अधिक लचीले समुदाय के लिए आपदा की तैयारी ज़रूरी है। यह मॉक ड्रिल जीवन की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है और यह सुनिश्चित करती है कि हमारी टीमें आपात स्थितियों के दौरान तेज़ी से और प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने के लिए पूरी तरह प्रशिक्षित हों। अभ्यास का समापन डीब्रीफिंग और फीडबैक सत्र के साथ हुआ।

अन्नाद्रमुक मजबूत है, पार्टी मामलों में पलानीस्वामी की राय मायने रखती है : नैनार नागेंद्रन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) मजबूत स्थिति में है और भाजपा द्वारा अन्नाद्रमुक को कमजोर करने या समाप्त करने के विरोधी दलों के आरोप निराधार हैं। नागेंद्र ने इस आरोप का खंडन किया कि भाजपा नेतृत्व अन्नाद्रमुक को कमजोर और समाप्त करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक की लोकप्रियता से जलने वाले लोग ऐसे ''बेबुनियाद आरोप'' लगा रहे हैं।

नागेंद्रन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अन्नाद्रमुक (राज्य में) मजबूत है। भाजपा को उस पार्टी को तोड़ने की कोई जरूरत नहीं है। हमने गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए इसके महासचिव ई. के. पलानीस्वामी को स्वीकार कर लिया है। इसलिए, वह (अपनी पार्टी के बारे में) जो भी कहते हैं, वह हमारे लिए महत्वपूर्ण है।'' मुख्य विपक्षी पार्टी पर संकट के दावे को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि जहां भी पलानीस्वामी रैली को संबोधित करते हैं, वहां लोग उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में उमड़ते हैं। नागेंद्रन ने कहा, ''आप राज्य भर में उनकी सभाओं में उमड़े जनसैलाब को देख सकते हैं, जो लोगों के भारी समर्थन को दिखाता है।'' हाल में राष्ट्रीय राजधानी नयी दिल्ली में अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता के. ए. सेंगोट्टैयन की भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के संबंध में पूछे गए सवाल पर नागेंद्रन ने कहा, ''मुझे सेंगोट्टैयन और गृह मंत्री के बीच मुलाकात के दावों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं है।'' एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने अपने पहले के रुख को दोहराते हुए कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम और एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरन के साथ बातचीत करने और उन्हें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में वापस लाने के इच्छुक हैं।

बीआईएस ने एनआईटी तिरुचिरापल्ली में बीआईएस कॉर्नर और छात्र अध्याय खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत कार्यरत भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय, ने अपने कोयंबटूर शाखा कार्यालय द्वारा 11 सितंबर को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली में बीआईएस कॉर्नर और बीआईएस छात्र अध्याय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने बीआईएस और एनआईटी तिरुचिरापल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों की भागीदारी के साथ अध्यक्षता की।

एनआईटी त्रिची के केंद्रीय पुस्तकालय में स्थापित बीआईएस कॉर्नर, मानकों से जुड़ी जानकारी और जुड़ाव के लिए यह एक केंद्र के रूप में काम करेगा। यह भारतीय मानकों, हैंडबुक और तकनीकी साहित्य तक पहुँच प्रदान करेगा, जिससे छात्र और संकाय गुणवत्ता, अंतर-संचालन और सुरक्षा को आधार प्रदान करने वाले ढाँचों से परिचित हो सकेंगे। इसके साथ ही,

बीआईएस छात्र अध्याय संकाय सलाहकारों और छात्रों के लिए एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करेगा, जहाँ वे अनुभव यात्राओं, व्यावहारिक परियोजनाओं, शोध गतिविधियों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ बातचीत के माध्यम से बीआईएस के साथ सहयोग कर सकेंगे, जिससे कक्षा में सीखने की प्रक्रिया को व्यावहारिक गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र से जोड़ा जा सकेगा।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत एनआईटी, त्रिची के बीआईएस चेयर प्रोफेसर डॉ. के. मुथुकुमारन के स्वागत भाषण से हुई। जी. भवानी, वैज्ञानिक-एफ/वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस कोयंबटूर ने कार्यक्रम के उद्देश्य प्रस्तुत किए और कहा कि 'बीआईएस कॉर्नर परिसर में तकनीकी संसाधन और संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराएगा, जबकि छात्र अध्याय छात्रों को वास्तविक दुनिया की मानकीकरण चुनौतियों से निपटने के लिए संरचित अवसर प्रदान करेगा।'

डॉ. मीनाक्षी गणेशन, वैज्ञानिक-जी और उप महानिदेशक, दक्षिण, बीआईएस ने मुख्य भाषण दिया और इस बात पर जोर दिया कि छात्र अध्याय शिक्षा जगत और मानकीकरण समुदाय के बीच एक सेतु का काम करेगा। एनआईटी तिरुचिरापल्ली के निदेशक डॉ. जी. अघिला ने अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किया और कहा कि बीआईएस के साथ साझेदारी से एनआईटी में शैक्षणिक गतिविधियां समृद्ध होंगी। मुख्य अतिथि प्रमोद कुमार तिवारी, महानिदेशक, बीआईएस ने उद्घाटन भाषण दिया और युवा इंजीनियरों को मानकों की दुनिया से परिचित कराने के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने कहा कि मानक अदृश्य आधार हैं जो विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादों और प्रक्रियाओं में विश्वास, प्रतिस्पर्धात्मकता और सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने एनआईटी त्रिची के छात्रों और शिक्षकों से तकनीकी समितियों में सक्रिय रूप से भाग लेने, मानकीकरण पर शोध में योगदान देने और अपने नवाचारों को भारतीय मानकों के अनुरूप विश्व स्तर पर स्वीकृत समाधानों में बदलने का आग्रह किया।

न्यायालय ने अपहरण मामले में तमिलनाडु के विधायक की अग्रिम जमानत की अवधि बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यह मामला लक्ष्मी नामक एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई आपराधिक शिकायत से सामने आया है जो एक युवक की मां है जो कथित तौर पर भाग गया था एक लड़की के साथ

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के केवी कुप्पम के विधायक ''पूवई'' जगन मूर्ति को एक नाबालिग लड़के के अपहरण में कथित संलिप्तता के मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण की अवधि बृहस्पतिवार को बढ़ा दी।

न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने कहा, ''पूर्व में दिया गया अंतरिम आदेश जारी रहेगा।'' उच्चतम न्यायालय ने 30 जून को मामले में विधायक को संरक्षण प्रदान किया था। न्यायालय ने तब अपने आदेश में कहा था, ''यदि याचिकाकर्ता को पुलिस थाने - थिरुवलंगडु में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर रिहा किया जायेगा, बशर्ते वह यह वचन दें कि वह जांच में सहयोग करेंगे और गवाहों को धमकी नहीं देंगे या सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे।''

पीठ मूर्ति द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने मद्रास उच्च न्यायालय के 27 जून के आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। विधायक ने दलील दी कि इसमें कोई विवाद नहीं है कि अपहृत व्यक्ति को बरामद कर लिया गया है।

उन्होंने इस मामले में ''दुर्भावनापूर्ण कारणों'' से संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कहा कि वह अपहरण में शामिल थे। उच्चतम न्यायालय के आदेश में कहा गया है, यह भी दलील दी गई है कि यह मानते हुए भी कि आवेदक ने किसी एक पक्ष के साथ बातचीत की थी, इस मुद्दे को निपटाने के उद्देश्य से इस पर विचार किया जा सकता है और किसी भी स्थिति में हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। यह मामला लक्ष्मी नामक एक व्यक्ति द्वारा दर्ज कराई गई आपराधिक शिकायत से सामने आया है जो एक युवक की मां है जो कथित तौर पर एक लड़की के साथ भाग गया था।

तिरुवल्लूर पुलिस थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, लड़की के परिवार के सदस्यों ने कुछ बदमाशों के साथ उसके बड़े बेटे की तलाश में उसके घर पर धावा बोल दिया था। जब वे उसका पता लगाने में असफल रहे तो उन्होंने उसके 18 वर्षीय छोटे बेटे का कथित तौर पर अपहरण कर लिया और बाद में उसे घायल स्थिति में एक होटल के निकट छोड़ दिया।

बहस लोकतंत्र की जीवनरेखा है : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा बहस लोकतंत्र की जीवनरेखा है। हमें यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत में बहस का मतलब विभाजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र की भावना है। बहस विश्वास पैदा करती है और विश्वास लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करता है।

बेंगलूरु में ऐतिहासिक विधानसभा की भव्य सीढ़ियों पर आज आयोजित 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रतिनिधि को इस तथ्य का सम्मान करना चाहिए कि लोकसभा, राज्यसभा और केंद्र में राज्य विधानसभाओं की बैठकों में गुणवत्तापूर्ण बहस और स्वस्थ आलोचना लोगों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास को मजबूत करती है। उन्होंने विचारों में मतभेदों के बावजूद, मतभेदों में एकता का आह्वान किया और जनप्रतिनिधियों से राष्ट्र, राज्य और जनता के लिए अच्छी नीतियां बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। संसदीय कार्यवाही में बार-बार व्यवधान लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अच्छी चर्चाओं के बीच व्यवधान और स्थगन लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं। उन्होंने सभी पक्षों को इस बारे में सोचने की सलाह दी।

संसदीय कार्यवाही की घटती संख्या और बहस के लिए सीमित समय पर चिंता व्यक्त करते हुए, बिरला ने कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कार्यवाही के विस्तार, जिसमें अधिक कार्यवाही और लंबी बहस शामिल हैं, की आवश्यकता है। भारत की संसदीय प्रक्रिया को तकनीकी पहलों के माध्यम से सुगम बनाया जा रहा है, जिसमें कार्यवाही में आधुनिक तकनीक का उपयोग भी शामिल है, ताकि विभिन्न भाषाओं के प्रतिनिधि डिजिटल संसद के माध्यम से बहस में सुचारू रूप से भाग ले

सकें और प्रतिक्रिया दे सकें। संसदीय कार्यवाही कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मराठी और असमिया सहित 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ 180 से अधिक संसदों और विधानसभाओं का एक संघ है, और भारत राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का 9वाँ क्षेत्र बनाता है, जिसकी 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शाखाएँ हैं।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि कर्नाटक अपने सांस्कृतिक वैभव के लिए जाना जाता है। यहाँ की कॉफ़ी, सोना और रेशमी साड़ियाँ विश्व प्रसिद्ध हैं। वचनकार बसवन्ना, रानी चेन्नम्मा, सर एम. विश्वेश्वरैया जैसी महान हस्तियों ने कर्नाटक की महानता को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भूमि सुधार जैसे जनहितैषी कानूनों को लागू करने का श्रेय कर्नाटक को जाता है। समाज में सामाजिक और आर्थिक विकास लाना हमारी ज़िम्मेदारी है, इस संबंध में हमें समय के अनुरूप नए कानून लागू करने होंगे। सदन में इस पर और अधिक चर्चा होनी चाहिए। विडंबना यह है कि हम देखते हैं कि सदन का अधिकांश समय विभिन्न कारणों से बर्बाद होता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद चाहे कितने भी हों, जब जनता से जुड़े मुद्दों, देश के विकास और एकता की बात आती है, तो हमें उन सभी को भुलाकर सहमत होना होगा। सदन में स्वस्थ संवाद होना चाहिए। इसके माध्यम से विधायकों का व्यवहार ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे लोगों का विश्वास न टूटे। इसलिए, यह दो दिवसीय कार्यशाला बहुत महत्वपूर्ण है। आज पूरा विश्व भारत को बड़े सम्मान की दृष्टि से देखता है। इसलिए, हमें और अधिक जिम्मेदारी और सतर्कता से व्यवहार करना चाहिए।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ भारत निर्वाचन क्षेत्र सम्मेलन के लिए बेंगलूरु में आप सभी का स्वागत करते हुए उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने कहा कि सद्भाव की परंपराओं, लोकतंत्र की भावना और जीवंत नागरिक संस्कृति से परिपूर्ण कर्नाटक, विधायकों और विचारकों के इस सम्मेलन की मेज़बानी करके गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने सम्मेलन में उपस्थित सभी लोगों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि सम्मेलन अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल होगा। इस अवसर पर, डाक विभाग द्वारा सम्मेलन के एक भाग के रूप में एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया और कर्नाटक की परंपरा के अनुसार, अतिथियों को मैसूरी पगड़ी, चंदन की माला और रेशमी शॉल से सम्मानित किया गया। तीन दिवसी यह सम्मेलन शहर के एक निजी होटल में तीन दिनों तक चलेगा और इसमें देश-विदेश के अध्यक्ष और अध्यक्ष भाग लेंगे।

'बूम लिफ्ट क्रेन' से गिरकर दो मजदूरों की मौत

मंगलूरु/कासरगोड/भाषा। केरल के कासरगोड जिले के मोगरलपुथुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर स्ट्रीट लैंप की बंद लाइटें बदलते समय 'बूम लिफ्ट क्रेन' से गिरकर दो श्रमिकों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान अक्षय (30) और अश्विन (26) के रूप में हुई है।

भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA
अंतरिक्ष विभाग DEPARTMENT OF SPACE
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र SPACE APPLICATIONS CENTRE
अहमदाबाद AHMEDABAD-380015

विज्ञापन सं. सैक:02:2025, दिनांक 12.09.2025

इसरो के विभिन्न केन्द्रों/इकाइयों एवं भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (अंतरिक्ष विभाग के तहत स्वायत्त निकाय) में सहायक (राजभाषा) के पद पर भर्ती हेतु पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पद कोड	पद का नाम वेतन मैट्रिक्स में वेतन एवं स्तर	रिक्तियों की संख्या एवं आरक्षण विवरण	आयु सीमा
05	सहायक (राजभाषा) स्तर-04 (रु 25,500-रु. 81,100)	कुल 06 (अना. 04, अ.ज.जा 01, अ.पि.व. 01)	02.10.2025 को 18 से 28 वर्ष तक
06	सहायक (राजभाषा) स्तर-04 (रु 25,500-रु. 81,100)	कुल -01(अना.)	02.10.2025 को 18 से 28 वर्ष तक

- पद कोड - 05 के 04 अना. पदों में से आईपीआरसी (महेंद्रगिरी), इस्ट्रैक (बेंगलूरु), एलपीएससी (वलियामाला, तिरुवनंतपुरम) और यूआरएससी (बेंगलूरु) प्रत्येक के लिए 01 पद चिह्नित है।
- पद कोड - 05 का 01 अ.पि.व. पद एनआरएससी (सिकंदराबाद) के लिए चिह्नित है।
- पद कोड - 05 का 01 अ.ज.जा. पद सैक (अहमदाबाद) के लिए चिह्नित है।
- पद कोड - 06 का 01 अना. पद आईआईएसटी (तिरुवनंतपुरम) के लिए चिह्नित है।

आवेदन मात्र ऑन-लाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन के पंजीकरण के लिए ऑन-लाइन भर्ती पोर्टल 12.09.2025 को 0930 बजे से 02.10.2025 को 1700 बजे तक उपलब्ध रहेगा। इच्छुक अभ्यर्थी विस्तृत विज्ञापन के लिए और ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने के लिए हमारी वेबसाइट https://www.sac.gov.in>Careers में देखें।

CBC 49107/11/0004/2526

राजस्थान में आगामी दिनों में बड़े शहरों में रेलवे फाटक से मिलेगी मुक्ति : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी कुमार वैष्णव ने कहा है कि राजस्थान के बड़े शहरों को शीघ्र ही रेलवे फाटक से मुक्त किया जायेगा वहीं जोधपुर से नई दिल्ली एवं बीकानेर से नई दिल्ली के लिए वन्दे भारत नई रेल सेवा को जल्द चालू किया जायेगा। वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर रेलवे स्टेशन पर निर्माणधीन कार्यो का निरीक्षण के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य के बड़े शहरों में रेलवे फाटक से लोगों निजात दिलाने के लिए अंडर पास एवं ओवर ब्रिज बनाने के लिए चार-पांच महीनों में पूरी तैयारी करने के लिए कहा गया और आगामी दिनों प्रदेश भर में बड़े शहरों में रेलवे फाटक से जनता को मुक्ति दिला सके।

उन्होंने कहा कि जोधपुर से नई दिल्ली और बीकानेर से नई दिल्ली के लिए नई वन्दे भारत रेल सेवाओं को भी शीघ्र चालू किया जायेगा। इसके साथ ही हैरिटेज सिटी जैसलमेर के लिए नई दिल्ली से एक ओवरनाईट एक्सप्रेस ट्रेन चालू की जायेगी। उन्होंने कहा कि जयपुर में रेलवे स्टेशन को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन बनाने के लिए नव निर्माण का काम सुचारु रुप से चल रहा है और तेजी से चल रहा है। यहां इसका दूसरा प्रवेश द्वार बनकर तैयार हो गया है और इसका रुप जो निखर के आया हैं इसे देखकर बड़ी खुशी होती है और यह खुशी का क्षण हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य द्वार का काम भी तेजी से चलाने के लिए कहा गया हैं।

उन्होंने कहा कि जयपुर रेलवे स्टेशन पर विशेष एवं बहुत तेजी से काम चल रहा है और यह रेलवे स्टेशन बहुत सुंदर रुप में उभर कर सामने आयेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के रेलवे स्टेशन के काम के तहत अब तक 110 रेलवे स्टेशन पर काम पूरे हो चुके हैं। वैष्णव ने जनता से राय मांगी हैं कि क्या जयपुर के रेलवे स्टेशनों के साथ जयपुर नाम जोड़ा जाना चाहिए, जैसे गांधीनगर रेलवे स्टेशन के साथ जयपुर गांधीनगर रेलवे स्टेशन आदि।

अगर जनता चाहेगी तो इस प्रकार का निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर रेलवे अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने जयपुर गांधीनगर रेलवे स्टेशन पर चले रहे निर्माण कार्यो का भी जायजा भी लिया।

जैसलमेर जिले में युवक की पीट-पीटकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक युवक की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि 19-वर्षीय युवक अनीश जीप से कहीं जा रहा था, तभी आरोपियों ने उसे रोक लिया तथा जीप से बाहर निकालकर लाठियों से पीटा। यह घटना जिले के रामदेवरा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस ने बताया, ''उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।'' पुलिस के अनुसार, अनीश पर उसके चचेरे भाइयों और अन्य लोगों ने पुराने विवाद को लेकर हमला किया।

इसने बताया कि अनीश और उसके चाचा शेर मोहम्मद के बीच कुछ समय पहले झगड़ा हुआ था तथा इसके बाद से शेर मोहम्मद के बेटे और अन्य लोग कथित तौर पर अनीश की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। पुलिस के अनुसार, आज आरोपियों ने अनीश पर हमला कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिवार के सदस्यों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है, जिनकी तलाश की जा रही है।

प्रतापगढ़ में 50 करोड़ की एमडी ड्रग फैक्ट्री का पर्दाफाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पुलिस मुख्यालय की टीम ने प्रतापगढ़ जिले में पीपलखूंट थाना और डीएसटी के सहयोग से एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश कर 25 हजार का इनामी वांछित तस्कर को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) दिनेश एमएन के निर्देशन में कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

पुलिस टीम को मिली सूचना पर कई दिनों तक रैकी की गई जिसमें टाण्डा बड़ा, सरहद बोरी मोजल के ईश्वर मीणा के झोंपड़े में इनामी तस्कर जमशेद उर्फ जम्मू लाला द्वारा एमडी ड्रग बनाने की जानकारी मिली। जिसके बाद स्थानीय थाना पीपलखूंट और डीएसटी को सूचना देकर छापा मारा गया।

पुलिस ने अवैध फैक्ट्री से आरोपी जमशेद उर्फ जम्मु लाला (33) निवासी देवल्दी थाना अरनोद को गिरफ्तार कर करीब 50 करोड़ रुपये कीमत की 17.4 किलोग्राम एमडी पाउडर, 70 किलो ग्राम से अधिक केमिकल पदार्थ, एमडी ड्रग बनाने में प्रयुक्त उपकरण बरामद कर एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

यह मामला 16 दिसंबर 2024 का है, जब एजीटीएफ और थाना अरनोद पुलिस ने देवल्दी गाँव में छापा मारा था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 40 करोड़ रुपये कीमत के 11.450 किलोग्राम लिक्विड एमडीएमए, 14.770 किलोग्राम अन्य लिक्विड केमिकल, 4.900 किलोग्राम केमिकल और 2.500 किलोग्राम सफेद पाउडर सहित एमडी बनाने में इस्तेमाल होने वाले कई उपकरण जब्त किए थे। इस मामले में आरोपी याकुब पुत्र फकीरगुल, जमशेद उर्फ जम्मू लाला और साहिल पुत्र सलीम निवासी देवल्दी थाना अरनोद प्रतापगढ़ फरार हो गए थे। जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसपी प्रतापगढ़ द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मुख्य आरोपी याकूब खां मादक पदार्थों की तस्करी से अवैध संपत्ति अर्जित कर रहा था। वित्तीय जांच में यह सामने आया कि उसने वर्ष 2024 में अपनी पत्नी बखमीना बी के नाम पर मध्यप्रदेश के जावरा स्थित हुसैन टेकरी क्षेत्र में एक होटल एवं लॉज खरीदा था। जिसकी बाजार कीमत लगभग एक करोड़ रुपये है। इसके बाद प्रतापगढ़ पुलिस ने सक्षम प्राधिकारी के निर्देश पर इस सम्पत्ति को गत 28 अगस्त को फ्रीज कर दिया।

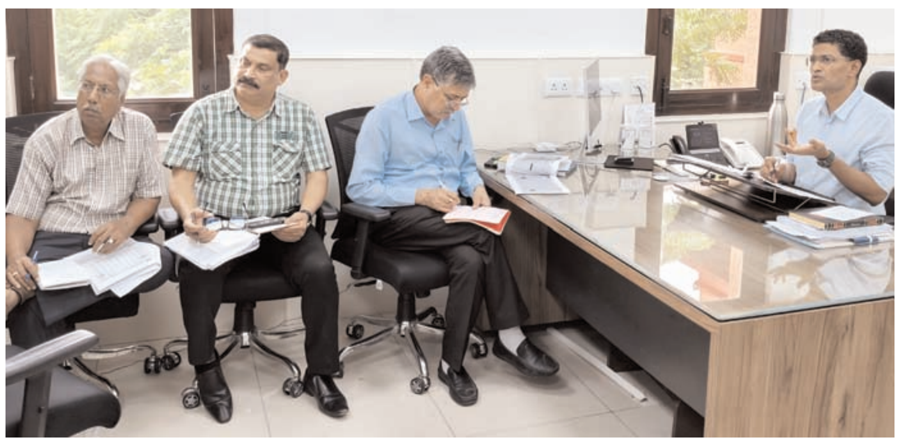

आरएण्डडी सहित खनन से जुड़े सभी क्षेत्रों में तय होगी विशेषज्ञों की भागीदारी : रविकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में खनिज से जुड़े सभी पहलूओं के योजनाबद्ध क्रियान्वयन, समन्वय, प्रबंधन, प्रभावी मोनेटरिंग, एक्सप्लोरेशन, राजस्व, निवेश एवं रोजगार बढ़ोतरी, सस्टेनेबल माइनिंग, माइनिंग सेक्टर में देश दुनिया में हो रहे नवाचार और नवीनतम तकनीक और उसके प्रदेश में उपयोग सहित विभिन्न बिन्दुओं को लेकर विभाग द्वारा उच्चस्तरीय परियोजना मोनेटरिंग इकाई (प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट) का गठन किया गया है। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि प्रदेश में क्रिटिकल एवं स्ट्रेटेजिक खनिजों के साथ ही प्रधान व अप्रधान खनिजों के विपुल भण्डारों को देखते हुए पीएमयू के गठन से खनिज क्षेत्र को और अधिक गतिशील बनाया जाएगा। इससे खानें जल्दी परिचालन आने के साथ ही निवेश एवं रोजगार के अवसर बढेंगे।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा माइनिंग सेक्टर में विपुल संभावनाओं को देखते हुए राजस्थान के माइनिंग सेक्टर को देश में अग्रणी राज्य बनाने पर जोर देते रहे हैं। नई खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, रिप्स में सहायता प्रावधान, एमनेस्टी योजना सहित प्रक्रिया के सरलीकरण और खनन क्षेत्र विकास के महत्वपूर्ण कदम उठाये गये हैं।

रविकान्त ने बताया कि पीएमयू के गठन के साथ ही खनन क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख गतिविधियों को 7 सेक्टरों में चिन्हित किया गया है। इसमें एक्सप्लोरेशन, ऑक्शन, शीध्र परिचालन, रिसर्च एवं डव्लपमेंट, जीरो लॉस माइनिंग, इकोटूरिज्म की संभावनाओं, पेपरलेस सहित विभिन्न गतिविधियों का समावेश किया गया है। विभाग के वरिष्ठ व विशेषज्ञ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी बनाया गया है। अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर को नोडल अधिकारी व अधीक्षण अभियंता सतर्कता जयपुर प्रताप मीणा को सहप्रभारी बनाया गया है।

प्रमुख सचिव रविकान्त ने बताया कि खनिज क्षेत्र से जुड़े 7 प्रमुख सेक्टरों में से पहले एक्सप्लोरेशन व ऑक्शन का प्रभारी आरएसएमईटी के सीईओ आलोक जैन को बनाया गया है। जैन की टीम द्वारा प्रदेश में कोमोडिटी, मिनरल ग्रेड, खनन के प्रकार सहित विभिन्न बिन्दुओं पर कार्य करेगी। यह दल जीएसआई सहित तकनीकी विशेषज्ञों से समन्वय बनाते हुए एक्सप्लोरेशन से ऑक्शन आदि संबंधित कार्यों को और अधिक प्रभावी गति दी जा सकेगी।

इसी तरह से ऑक्शन किये गये माइनर और मिनरल ब्लॉकों को जल्द से जल्द परिचालन में लाने के लिए संबंधित स्टेक होल्डर्स व खान विभाग सहित संबंधित विभागों से समन्वय बनाते हुए आवश्यक अनुमतियां दिलाने में सहयोग के साथ ही शीघ्र परिचालन में लाने का कार्य करेगी। इस दल का प्रभारी अधीक्षण अभियंता सतर्कता जयपुर प्रताप मीणा को बनाया गया है।

टी. रविकान्त ने बताया कि विभाग का जोर खनन क्षेत्र में राजस्व बढ़ाने और राजस्व में किसी भी तरह की छीजत को रोकना भी है और इसके लिए वित्तीय सलाहकार गिरिश कछारा को प्रभारी बनाते हुए मोनेटरिंग सहित आवश्यक सभी जिम्मेदारियां दी गई है। डीएमएफटी के कार्य को गति देने और राशि के बेहतर उपयोग की मोनेटरिंग की जिम्मेदारी अधीक्षण भूवैज्ञानिक सुनील कुमार को दी गई है। इस दल द्वारा डीएमएफटी फण्ड के अन्य प्रदेशों में उपयोग को लेकर अध्ययन सहित योजना, क्रियान्वयन व मोनेटरिंग का फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

नीमराणा इलाके में किन्नर गुरु की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराणा इलाके में बुधवार को किन्नर समुदाय के एक गुरु की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना मोहलड़िया गांव के पास हुई और इसके बाद किन्नर समुदाय के सदस्यों ने आक्रोश और विरोध प्रदर्शन किया। नीमराणा की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शालिनी राज ने बताया कि इलाके के किन्नर (ट्रांसजेंडर) गुरु मधुर शर्मा को गोली मार दी गई और वह दिवाली से पहले पारंपरिक त्योहारों की बधाई इकट्ठा करने के लिए समूह के साथ नीमराणा में थी।

उन्होंने कहा, किन्नर पेड़ के नीचे वाहन के अंदर बैठे थे, तभी दो अज्ञात हमलावर मोटरसाइकिल पर आए और शर्मा पर करीब से गोली चला दी। गोली शर्मा के सिर में लगी। हमलावर मौके से फरार हो गए। शर्मा की मौके पर ही मौत हो गई। शव को नीमराणा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

पुलिस ने संदिग्धों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए आस-पास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। घटना की जानकारी मिलते ही किन्नर समुदाय के लोग बड़ी संख्या में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर जमा हो गए और त्वरित कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस ने हत्या की जांच और आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम बनाई है।

न्यायालय ने शाहरुख और दीपिका के खिलाफ कार्रवाई पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कार कंपनी हुंदै के ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण सहित चार लोगों के खिलाफ दर्ज एक मामले में जांच पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सुदेश बंसल की एकल पीठ ने कंपनी के प्रबंध निदेशक, मुख्य परिचालन अधिकारी और ब्रांड एंबेसडर शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से संबंधित जांच पर रोक लगा दी है। उल्लेखनीय है कि भरतपुर के मथुरा गेट थाने में दर्ज इस प्राथमिकी में परविादी ने 2022 में खरीदी हुंदै की एक कार में विनिर्माण संबंधी खराबी का आरोप लगाया था।

इस मामले में जांच पर रोक लगाने की मांग वाली अंतरिम याचिकाओं के साथ-साथ मामले को खारिज करने की याचिकाएं भी उच्च न्यायालय में दायर की गईं। वकील संजय कुमार ने कहा, बुधवार को पहली सुनवाई में विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अदालत ने जांच पर रोक लगाने का आदेश दिया। अगली सुनवाई 25 सितंबर को होगी।

हुंदै के वरिष्ठ अधिकारियों और ब्रांड एंबेसडरों का प्रतिनिधित्व लूथरा एंड लूथरा लॉ ऑफिस के वरिष्ठ पार्टनर संजय कुमार और पार्टनर अभिषेक कुमार सिंह ने किया। इस संबंध में मामला भरतपुर के मथुरा गेट पुलिस थाने में अधिवक्ता कीर्ति सिंह (50) की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। अपनी शिकायत में कीर्ति सिंह ने कहा कि उन्होंने 2022 में हरियाणा के सोनीपत की एक डीलरशिप से 23.97 लाख रुपये में हुंदै का 'अल्काजार' मॉडल खरीदा था।

सिंह ने आरोप लगाया कि गाड़ी खरीदते ही उसमें विशेष रूप से एक्सीलरेटिंग आदि में गंभीर तकनीकी खामियां आने लगीं। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया, कार कंपन करने लगती, स्पीड नहीं बढ़ती और इंजन प्रबंधन प्रणाली में खराबी आ जाती। इससे कई बार मेरी और मेरे परिवार की जान खतरे में पड़ गई है। सिंह के अनुसार, जब उन्होंने डीलरशिप से संपर्क किया, तो उन्होंने स्वीकार किया कि हुंदै की ओर से विनिर्माण संबंधी त्रुटि के कारण समस्या है लेकिन केवल अस्थायी समाधान सुझाए। उन्होंने कहा, यह समस्या बार-बार आती रही, जिससे आर्थिक, शारीरिक और मानसिक परेशानी होती रही।

उन्होंने यह भी बताया कि खराबी का समाधान न होने के बावजूद वह कार लोन चुका रहे हैं। शिकायत में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण का भी नाम लिया गया है और उनके हुंदै के ब्रांड एंबेसडर होने का हवाला दिया गया है।

नेपाल में हिंसा : जयपुर के सैकड़ों पर्यटक फंसे, बस पर पत्थरबाजी, एयरपोर्ट में छिपकर जान बचाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । नेपाल में तख्तापलट के लिए हुई हिंसा की बीच जयपुर से गए 500 से ज्यादा पर्यटकों की जिंदगी मुश्किल में पड़ गई है। काठमांडू एयरपोर्ट और आसपास के होटलों-धर्मशालाओं में ये लोग सेना और सुरक्षाबलों की निगरानी में ठहरे हुए हैं। स्थिति इतनी खराब है कि कई बुजुर्ग यात्रियों की तबीयत बिगड़ चुकी है और खाने-पीने की किल्लत ने उन्हें भूखे मरने की नौबत तक ला दिया है। हालांकि सरकार ने प्रयास तेज कर दिए हैं। गुरुवार को ही पर्यटकों की वापसी की संभावना बढ़ गई है।

8 सितंबर को जयपुर से गए यात्रियों की एक बस पर काठमांडू में हुड़दंगियों ने हमला कर दिया। बस पर पथराव हुआ, एक यात्री घायल हो गया। हमलावर अंदर घुसे और यात्रियों को धमकाकर वापस होटल भेज दिया। इसके बाद से सभी यात्री सहमे हुए हैं। करीब 200 लोग काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में ही फंसे हुए हैं। वहां सेना तैनात है और यात्रियों को बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। खाने-पीने का सामान तीन गुना दाम में मिल रहा है। जयपुर के वाटिका निवासी सत्तार खान ने वीडियो कॉल पर बताया मंगलवार दोपहर बाद से सही से खाना नहीं खाया। दवा और जरूरत का सामान भी खत्म हो चुका है। फ्लाइट बंद हैं, सेना बाहर जाने नहीं दे रही। हालत बिगड़ते जा रहे हैं। जयपुर में इन फंसे यात्रियों के परिवार लगातार दुआ कर रहे हैं। रामस्वरूप शर्मा (टोंक फाटक निवासी) अस्थमा और बीपी के मरीज हैं, उनकी हालत बिगड़ रही है। बेटे मनीष शर्मा ने बताया कि पिता से सिर्फ 10 सेकेंड ही बात हो पाई। मंजू और रामशरण (गोनेर निवासी) गेस्ट हाउस में फंसे हैं। मंजू की बहन अनीता के अनुसार, बस पर पथराव होते ही पूरा परिवार सहम गया। नारायण लाल और मूलचंद शर्मा (जगतपुरा निवासी) अपने 40 लोगों के ग्रुप के साथ होटल में कैद हैं। उनके बेटे संदीप ने कहा वॉट्सऐप ग्रुप पर कभी-कभार मैसेज आते हैं, वहीं से पता चलता है कि वे जिंदा और सुरक्षित हैं।

इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क बार-बार बंद हो रहे हैं। कई परिवारों का अपने परिजनों से संपर्क टूट चुका है। बच्चे अपने दादा-दादी और माता-पिता को याद कर रो रहे हैं। डीजीपी राजीव शर्मा के आदेश पर पुलिस ने विशेष हेल्पलाइन शुरू की है ताकि नेपाल में फंसे भारतीयों को तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। हेल्पलाइन नंबर: 0141-2740832, 0141-2741807.

नए आपराधिक कानूनों की सफल क्रियान्विति में राजस्थान बने देशभर में रोल मॉडल : पंत

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि नए आपराधिक कानून देश की न्यायिक प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने के साथ आमजन को त्वरित एवं प्रभावी न्याय उपलब्ध कराने में सहायक सिद्ध होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप राज्य में इन कानूनों के सफल क्रियान्वयन के लिए गंभीरता से कार्य किया जाए और प्रदेश को देशभर में एक रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया जाए। पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि अनुसंधान अधिकारियों को नए कानूनों के सभी प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी हो इसके लिए आवश्यक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ। साथ ही आमजन को भी नए कानूनों के प्रति जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाये जाएँ।

मुख्य सचिव ने कहा कि नए आपराधिक कानूनों में गवाहों के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से साक्ष्य लेने, एफआईआर दर्ज करने और सम्मन जारी करने जैसे प्रावधान किए गए हैं, जिनसे न्यायिक प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी तथा अनावश्यक समय और संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूम की स्थापना, फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण, पुलिस स्टेशनों पर हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी की सुविधा, पर्याप्त मानव संसाधनों की नियुक्ति तथा आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि नए कानूनों के तहत अनुसंधान एवं प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। इसके लिए जिलास्तरीय अधिकारियों को नियमित रूप से समीक्षा बैठकें आयोजित करनी चाहिए और क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का समय पर समाधान करना चाहिए।

उन्होंने विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर कानूनों की बेहतर और प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए सावंत, शासन सचिव वित्त(व्यय) नवीन जैन, शासन सचिव सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी श्रीमती अर्चना सिंह सहित सम्बंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

शहरी सहकारी बैंक अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को लाभ पहुंचाने का कार्य करें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के शहरी बैंक समाज को आर्थिक रूप से सशक्त करने को अपना ध्येय बनाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के व्यवसायी देशभर में आर्थिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। आर्थिक रूप से सुदृढ़ सभी लोग सहकारिता से जुड़े। इसी से राष्ट्र और प्रदेश के विकास में तेजी आएगी। उन्होंने शहरी सहकारी बैंकों के जरिए अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को लाभान्वित किए जाने पर भी विशेष रूप से जोर दिया। उन्होंने कहा कि गरीब, जरूरतमंद को मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से सहकारी बैंक कार्य करेंगे तभी सही मायने में सबका साथ सबका विकास को हम साकार कर पायेंगे।

राज्यपाल बागड़े गुरुवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में सहकार भारती एवं सहकारिता विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के राष्ट्रीय अधिवेशन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कॉपरेटिव बैंक न केवल हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, बल्कि यह लाखों लोगों को, उनके परिवारों के लिए आजीविका का एक मजबूत स्रोत भी है। राज्यपाल ने कहा कि सहकार में अपने लिए नहीं सबके विकास की सोच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि डेनमार्क में सहकारिता से कृषि और डेयरी का जो विकास हुआ है, वह प्रेरित करने वाला है। राज्यपाल ने कहा कि सहकारिता से सभी का समान आर्थिक विकास, रोजगार जनन और सामूहिक विकास संभव है। उन्होंने राजस्थान में अधिकाधिक सहकारी बैंक स्थापित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने राजस्थान में सरस की सहकारी गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि डेयरी के साथ अन्य उत्पादों का भी सहकारिता की सोच से प्रभावी विपणन किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने सहकारिता में भारत के तेजी से आगे बढ़ने की चर्चा करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन में विश्वभर में हमारा देश पहले स्थान पर है। सहकारिता को प्रभावी गति देने से इस क्षेत्र के माध्यम से हम सर्वांगीण विकास की ओर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।

सरकार के खिलाफ कांग्रेस की रैली में डोटासरा ने कहा, जनता का गुस्सा इतना ज्यादा कभी नहीं था

कोटा। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के प्रमुख गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को कहा कि सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा पहले कभी इतना ज्यादा नहीं था।

राजस्थान के कोटा में कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य की भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ मार्च निकाला। नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपना पहला चुनाव झूठे वादों के दम पर, दूसरा बालाकोट हवाई हमलों में सेना के पराक्रम का इस्तेमाल करके और तीसरा ''वोट चोरी'' करके जीता।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के आपदाग्रस्त क्षेत्रों के लिए 1200 करोड़ की वित्तीय मदद की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि, भूस्खलन, बादल फटने और बाढ़ के कारण हुए नुकसान का जायजा लिया और प्रदेश के लिए 1200 करोड़ रु की वित्तीय मदद की घोषणा की। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, प्रधानमंत्री ने यहां एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उत्तराखंड में प्रभावित क्षेत्रों में राहत और पुनर्वास कार्यों तथा आपदा से हुए नुकसान का जायजा लिया और उत्तराखंड के लिए 1200 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

इस दौरान, प्रधानमंत्री ने आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए दो .दो लाख रु तथा घायलों के लिए 50.50 हजार रु की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की । मोदी ने हाल में आयी बाढ़ तथा भूस्खलन के कारण अनाथ हुए बच्चों के लिए केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना के तहत व्यापक मदद की भी घोषणा की । अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी को आज आपदा ग्रस्त क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करना था, लेकिन मौसम खराब होने के कारण इसे रद्द कर दिया गया। बैठक में उत्तराखंड के राज्यपाल ले. जन. गुरमीत सिंह (सेवानिवृत), मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे । प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र तथा लोगों को उससे उबरने में मदद के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाए जाने की जरूरत पर बल दिया जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकानों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत, स्कूलों को दोबारा बनाना और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के जरिए राहत देना और पशुओं के लिए मिनी किट वितरित करने जैसे उपाय शामिल हैं । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत, ग्रामीण क्षेत्रों में मकानों के पुनर्निर्माण के लिए उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रस्तुत ' विशेष परियोजना' के अंतर्गत उन पात्र परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जिनके मकान आपदा से क्षतिग्रस्त हो गए हैं ।

केंद्र सरकार ने पहले ही अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय दलों को उत्तराखंड भेज दिया है और उनकी विस्तृत रिपोर्ट के आधार पर आगे की सहायता पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि केन्द्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए सभी प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री ने प्राकृतिक आपदाओं में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और कहा कि केंद्र सरकार इस कठिन समय में राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेगी और हरसंभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने हाल ही में बाढ़ और भूस्खलन सहित अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित हुए परिवारों से मुलाकात भी की। उन्होंने पीड़ित लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने परिजनों को आपदा में खो दिया ।

प्रधानमंत्री ने आपदाओं में मारे गए लोगों के परिजनों के लिए दो दो लाख रु तथा गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 50.50 हजार रु की अनुग्रह राशि की भी घोषणा की । प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि हाल में आई आपदाओं में अनाथ हुए बच्चों को पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के माध्यम से सहायता मिलेगी जिससे उनकी दीर्घकालिक देखभाल और कल्याण सुनिश्चित होगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि इस समय राज्यों को अग्रिम भुगतान सहित आपदा प्रबंधन अधिनियम और नियमों के अंतर्गत घोषित सहायता अंतरिम अवधि के लिए है और केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर मूल्यांकन की आगे समीक्षा करेगी। प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) और आपदा मित्र स्वयंसेवकों से भी मिले और राहत और बचाव कार्यों में उनके प्रयासों की सराहना की ।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अमूल्य सहयोग के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन सरकार आपदा प्रभावित प्रदेशवासियों के राहत, पुनर्वास और सुरक्षित भविष्य के लिए हर स्तर पर प्रतिबद्ध है । उन्होंने कहा, ''आपदा की इस कठिन घड़ी में दिए गए अमूल्य सहयोग के लिए समस्त प्रदेशवासियों की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार'' इससे पहले, प्रधानमंत्री शाम को देहरादून के निकट जौलीग्रांट हवाई अड्डे पहुंचे जहां मुख्यमंत्री ने उनका स्वागत किया । इस मानसून सीजन में उत्तरकाशी जिले में धरालीहर्षिल, चमोली में थराली, रुद्रप्रयाग में जखोलीबसुकेदार, बागेश्वर में कपकोट, पौड़ी में सैंजी जैसे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि, बादल फटने, बाढ़, भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं से भारी तबाही हुई है । ताजा आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक अप्रैल से अब तक प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं में 81 व्यक्तियों की मौत हो चुकी है जबकि 94 अन्य लापता हैं । इन आपदाओं में 80 लोग घायल भी हुए हैं ।

पाकिस्तान के साथ भारत का क्रिकेट खेलना 'विश्वासघात' के समान : राउत

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी रविवार को अबू अबू धाबी में एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान के साथ भारत के मैच खेलने के विरोध में 'सिंदूर रक्षा' अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलना 'विश्वासघात' के समान है।

'एक्स' पर एक पोस्ट में, राउत ने कहा कि महाराष्ट्र की हजारों महिलाएं इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेंगी और अपने घरों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'सिंदूर' भेजेंगी।

पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत द्वारा शुरू किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है और इसलिए पड़ोसी देश के साथ खेल संबंध अस्वीकार्य हैं।

पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी।

भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचों को तबाह कर दिया गया। इसके बाद 10 मई को दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष के विराम पर सहमति बनी।

राउत ने दावा किया, ''भाजपा के मंत्रियों के बच्चे जरूर यह मैच देखने जाएंगे। यह देशद्रोह है।''

वोट चोरी पर भविष्य में और भी 'विस्फोटक सबूत' पेश करेंगे : राहुल गांधी

रायबरेली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर 'वोट चोरी' के अपने आरोपों को दोहराते हुए दावा किया कि भविष्य में वह इस संबंध में और भी 'डायनेमिक एक्सप्लोसिव' (विस्फोटक) सबूत पेश करेंगे। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में गांधी ने संवाददाताओं से कहा, महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने 'ब्लैक और व्हाइट' सबूत दिए हैं। आने वाले समय में, हम और भी डायनेमिक सबूत देंगे। कांग्रेस सांसद ने कहा कि वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा अब पूरे देश में गूंज रहा है। उन्होंने कहा, हम आपको दिखाएंगे, भारत के युवाओं, सुनो, यही सच्चाई है और चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। गांधी ने संवाददाताओं से कहा, हम गारंटी देते हैं कि हम आपको सबूत देंगे। कांग्रेस नेता ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा, भाजपा नेता जो उत्तेजित हो रहे हैं, उत्तेजित मत होइए। जब हाइड्रोजन बम आएगा, तो सब कुछ साफ हो जाएगा। राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां रायबरेली में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की अध्यक्षता की। अपने संसदीय क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर आए गांधी ने कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में बैठक की अध्यक्षता की।

'क्रॉस-वोटिंग' गंभीर मामला, इसकी जांच होनी चाहिए : मनीष तिवारी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि बीते नौ सितंबर को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में कथित 'क्रॉस-वोटिंग' की जांच होनी चाहिए क्योंकि यह एक गंभीर मामला है। तिवारी ने यह भी कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों को भी आत्मचिंतन करना चाहिए क्योंकि 'क्रॉस-वोटिंग' संबंधित दलों के ''नेतृत्व की विफलता'' का भी संकेत देती है। उनका कहना था, ''क्रॉस-वोटिंग के तीन आयाम हैं। पहला आयाम लालच है। दूसरा विश्वासघात और तीसरा, यह नेतृत्व की विफलता है। इसलिए अगर 'क्रॉस-वोटिंग' हुई है, तो यह एक गंभीर मामला है। हर पार्टी के नेतृत्व को इसकी जांच और आत्मचिंतन करना चाहिए।''

उन्होंने यह भी कहा कि वह इस विषय पर विस्तार से कोई टिप्पणी नहीं करना चाहेंगे। कई भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि उपराष्ट्रपति चुनाव में कम से कम 15 विपक्षी सदस्यों ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन को वोट दिया था। उन्होंने यह भी दावा किया है कि विपक्ष और किसी गठबंधन में नहीं होने वाली छोटी पार्टियों के 35 से ज़्यादा सांसदों ने राजग उम्मीदवार को वोट दिया। राधाकृष्णन ने कुल 752 वैध मतों में से 452 मत प्राप्त करके चुनाव जीता, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 300 मत मिले। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में कुल 767 वोट पड़े थे, जिनमें 15 अवैध करार दिए गए।

नड्डा ने मलेरिया, डेंगू के हालात की समीक्षा की, मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बारिश के बाद जल जमाव के कारण मच्छरों के पनपने के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने सभी मुख्यमंत्रियों को परामर्श जारी किया है और राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों से डेंगू और मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 20 दिन के भीतर कार्य योजना तैयार करने को कहा है।

नड्डा ने बुधवार को एक बैठक में देश में डेंगू और मलेरिया की स्थिति की समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि समीक्षा के दौरान, उन्होंने राज्यों, स्थानीय निकायों

और समुदायों से, विशेष रूप से इस उच्च जोखिम वाले समय में, निवारक और नियंत्रण उपायों को तेज करने का आग्रह किया, ताकि जन स्वास्थ्य की रक्षा की जा सके और मच्छर जनित रोगों के बोझ को कम करने में हुई प्रगति को बरकरार रखा जा सके। नड्डा ने वेक्टर जनित रोगों के खिलाफ तत्काल और समन्वित कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। बयान में कहा गया है कि उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों को व्यक्तिगत रूप से स्थिति की समीक्षा करने और 20 दिन के भीतर कार्य योजना तैयार करने की सलाह दी, जबकि नगर निगमों, पंचायतों और स्थानीय निकायों को सामुदायिक जागरूकता अभियान तेज करने को कहा गया। नड्डा के अनुसार केंद्र सरकार के अस्पतालों सहित, सभी अस्पतालों को पर्याप्त दवाएं, निदान सुविधाएं, बिस्तर और मच्छर मुक्त परिसर सुनिश्चित करने चाहिए। मंत्री ने निर्देश दिया कि डेंगू की स्थिति का बारीकी से आकलन करने और अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से दिल्ली और एनसीआर के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक भी आयोजित की जाए।

नीतीश कुमार 'चिकित्सकीय रूप से जिंदा', लेकिन 'दिमागी रूप से मृत' : राजद सांसद सुधाकर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह (नीतीश) चिकित्सकीय रूप से तो जिंदा हैं, लेकिन दिमागी रूप से मृत हो चुके हैं।

सिंह ने कहा कि नीतीश को बिहार की जनता पर थोपना उसका (जनता का) अपमान होगा। उन्होंने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों में महागठबंधन को दो-तिहाई बहुमत हासिल होने का भरोसा जताया।

'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में सिंह ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए आधार को एक दस्तावेज के रूप में शामिल करने के उच्चतम न्यायालय के निर्देश का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि यह निर्देश हाशिये पर पड़े वर्गों के लिए एक बड़ी जीत है, जिन पर मतदाताओं से भारतीय नागरिकता साबित करने वाले दस्तावेज जमा करने के लिए कहने वाली एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। बक्सर से लोकसभा सदस्य सिंह ने

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर कहा कि नीतीश दिमागी रूप से मृत हो चुके हैं। उन्होंने कहा, लोग अगली पीढ़ी के नेतृत्व के लिए तेजस्वी यादव के पक्ष में वोट देंगे। महागठबंधन दो-तिहाई बहुमत से सरकार बनाएगा। सिंह ने कहा, अगर आप महागठबंधन के प्रदर्शन पर गौर फरमाएं, तो 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से तमाम जोड़-तोड़ के बावजूद हम उनसे केवल 12,000 वोट से पीछे थे। हम एक सीट पर 12 वोट से हार गए थे। कुछ अन्य सीटों पर हम 250 या 500 वोटों से पराजित हुए थे। उन्होंने कहा, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनावों में हमने अपने प्रदर्शन में सुधार किया। पहले बिहार से राजद का महज एक लोकसभा सदस्य था, अब हमारे पास 10 सांसद हैं।

अरुणाचल प्रदेश: सेना ने ड्रोन युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया

ईटानगर/भाषा। भारतीय सेना ने आठ से 10 सितंबर तक अरुणाचल प्रदेश के अग्रिम इलाकों में आयोजित 'अभ्यास सियोम प्रहार' के दौरान आधुनिक सामरिक अभियानों में ड्रोन तकनीक का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। रक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी।

गुवाहाटी में रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने बृहस्पतिवार को बताया कि वास्तविक युद्धक्षेत्र परिस्थितियों में आयोजित तीन दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण अभ्यास ने सामरिक और अभियानगत दोनों परिस्थितियों में ड्रोन का इस्तेमाल कर बड़ा कदम उठाया। ड्रोन के इस्तेमाल का दायरा निरंतर निगरानी और युद्धक्षेत्र की टोह लेने से लेकर लक्ष्य प्राप्ति व सटीक हमले तक फैला हुआ है, जो युद्ध प्रभावशीलता को बढ़ाने में इनकी परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करता है। प्रवक्ता ने बताया कि इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य भविष्य के युद्धक्षेत्रों के लिए उपयुक्त नई रणनीतियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं का विकास व उनकी प्रमाणिकता साबित करना था। सेना ने बताया कि इस अभ्यास ने पारंपरिक लड़ाकू हथियारों और उभरती तकनीकी क्षमताओं के बीच तालमेल के महत्व पर प्रकाश डाला।

अमित शाह ने पांच और हवाई अड्डों पर त्वरित आव्रजन मंजूरी कार्यक्रम शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को पांच और हवाई अड्डों पर 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम' (एफटीआई-टीटीपी) की शुरुआत की, जो पूर्व-सत्यापित भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीय (ओसीआई) कार्ड धारकों के लिए आव्रजन संबंधी प्रक्रिया में तेजी लाता है।

लखनऊ, तिरुवनंतपुरम, तिरुचिरापल्ली, कोझिकोड और अमृतसर हवाई अड्डों पर एफटीआई-टीटीपी की शुरुआत करने के बाद शाह ने कहा कि यात्रियों को अब लंबी कतारों या जामा तलाशी का सामना नहीं करना पड़ेगा और उन्हें बिना किसी

देरी के केवल 30 सेकेंड में आव्रजन मंजूरी मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्पीड (गति), स्केल (पैमाने) और स्कोप (दायरे) के दृष्टिकोण के अनुरूप शुरू किया गया है।

एफटीआई-टीटीपी सबसे पहले जुलाई 2024 में दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पेश किया गया। दो महीने बाद इसे सात अन्य हवाई अड्डों (मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, कोच्चि और अहमदाबाद) पर उपलब्ध कराया गया। शाह ने बताया कि एफटीआई-टीटीपी अब देश के कुल 13 हवाई अड्डों पर उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि उन्हें देश में हो रहे बदलावों से अवगत कराने का मौका भी प्रदान करेगा।

गृह मंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में कहा, प्रधानमंत्री मोदी के 'स्पीड', 'स्केल' और 'स्कोप' के दृष्टिकोण के अनुरूप यात्रियों की सुविधा बढ़ाने का अगला दौर आज इस कार्यक्रम के साथ शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि तकनीकी उपकरणों के साथ-साथ विश्वास बढ़ाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए और यह पहल उस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिहार में विकास की नई लहर चल रही है : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

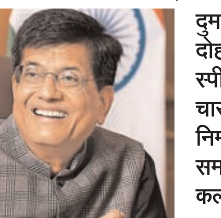

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार लगातार प्रगति कर रहा है और राज्य में विकास की एक नई लहर चल रही है। गोयल ने कहा कि चाहे रेलवे हो, सड़क मार्ग हो, औद्योगिक विकास हो या ढेर सारी कल्याणकारी योजनाएं हों, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार ने केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर अपने वादे पूरे किए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के शासन के बिल्कुल विपरीत है क्योंकि राजद सरकार में भ्रष्टाचार और जंगल राज था। उन्होंने कहा, '' हमें विश्वास है कि राजग बिहार में फिर से भारी बहुमत से सरकार बनाएगा।'' गोयल ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को बिहार के लिए दो प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं - 3,169 करोड़ रुपए की रेलवे लाइन और 4,447 करोड़ रुपए का राजमार्ग को मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि 177 किलोमीटर लंबी भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट रेलवे लाइन का दोहरीकरण और बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 82 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले मोकामा-मुंगेर खंड के निर्माण से राज्य में परिवहन संबंधी समस्याएं कम होंगी। केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए गोयल ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के वंचित वर्गों के लिए काम करने का वादा किया था और उन्होंने (मोदी) पिछले 11 वर्षों में अथक समर्पण के साथ अपने इस संकल्प को पूरा किया है। गोयल ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में 25 करोड़ से ज़्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं और केंद्र सरकार गरीबी रेखा से नीचे वाले लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता, 60 करोड़ से ज़्यादा लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं, चार करोड़ से ज़्यादा गरीबों को मुफ्त पक्के आवास और रसोई गैस सिलेंडरों की व्यापक सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। गोयल ने कहा कि बिहार में अगली सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी और दावा किया कि उनके आगे कोई चेहरा टिक नहीं सकता। राजद नेता तेजस्वी यादव द्वारा खुद को मुख्यमंत्री घोषित करने के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, ''बिहार में अगली सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनेगी। उनके (नीतीश के) आगे कोई चेहरा टिक नहीं सकता।''

अरुणाचल की मागो चू घाटी में हिमनद पिघलने से बाढ़ का खतरा : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। एक नये अध्ययन में पश्चिमी अरुणाचल प्रदेश की मागो चू घाटी में हिमनद के तेजी से पिघलने के कारण काफी ऊंचाई वाली हिमनद झीलों का दायरा बढ़ने और बाढ़ के खतरे में वृद्धि होने के सबूत मिले हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक, मागो चू घाटी ब्रह्मपुत्र नदी के पारिस्थितिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण मुख्य जल क्षेत्रों में से एक है। पृथ्वी विज्ञान एवं हिमालय अध्ययन केंद्र (सीईएसएचएस) के शोधकर्ताओं ने राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की, आईआईटी गुवाहाटी और अन्य सहयोगी संस्थानों के सहयोग से यह अध्ययन किया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि मागो चू घाटी में मौजूद हिमनद का दायरा 1988 से 2019 के बीच लगभग 28.5 प्रतिशत सिकुड़ गया, जो 15 वर्ग किलोमीटर से अधिक बर्फ के बराबर है। उन्होंने कहा कि बड़े हिमनद टूटकर छोटे हिमनद में तब्दील हो गए हैं, खास तौर पर दक्षिण-पश्चिमी ढलानों पर, जहां बर्फ का नुकसान लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, 1988 से 2019 के बीच हिमनद की संतुलन रेखा ऊंचाई (ईएलए) लगभग 137 मीटर तक बढ़ गई, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि हिमनद में खोई बर्फ की भरपाई नहीं हो रही है और उसका द्रव्यमान संतुलन नकारात्मक स्थिति में है।

ईएलए किसी हिमनद की वह ऊंचाई है, जहां बर्फ का वार्षिक जमाव गर्मियों में पिघलने वाली बर्फ की मात्रा के बराबर होता है। इसे हिमनद की सेहत बयां करने वाला एक अहम पैमाना माना जाता है। वहीं, द्रव्यमान संतुलन नकारात्मक स्थिति में होने का मतलब यह है कि हिमनद में जितनी बर्फ जमा हो रही है, उससे कहीं ज्यादा पिघल रही है, जिसके कारण उसका दायरा सिकुड़ रहा है। सीईएसएचएस के निदेशक ताना तागे ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मागो चू घाटी के हिमनद पश्चिमी हिमालय के कई हिस्सों में मौजूद हिमनद के मुकाबले तेजी से पिघल रहे हैं। ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि बड़े हिमनद छोटे और अस्थिर टुकड़ों में टूट रहे हैं, जिनके पिघलने तथा ढहने का खतरा अधिक है।

तागे के अनुसार, हिमनद का पिघलना और उनका दायरा सिकुड़ना न केवल अरुणाचल प्रदेश, बल्कि भारत, भूटान और बांग्लादेश में समूचे ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने कहा, हमारी वैज्ञानिक दक्षता, इंजीनियरिंग समाधान और समुदायों की आपदाओं एवं चुनौतियों से निपटने की क्षमता को मजबूत करना ही स्थानीय विरासत एवं आजीविका दोनों को सुरक्षित रखने का एकमात्र तरीका है। तागे ने कहा कि मागो चू घाटी में मुख्यत: ऐसे हिमनद मौजूद हैं, जिनमें गर्मियों के मौसम में बर्फ का जमाव होता है। ये हिमनद बर्फ के जमाव के लिए मानसून पर निर्भर हैं, लेकिन क्षेत्र में बारिश के स्तर में भारी गिरावट आई है। उन्होंने बताया, मागो चू घाटी में मानसूनी बारिश 1980 के दशक के मध्य में लगभग 2,100 मिलीमीटर से घटकर 2000 के बाद 1,500 मिलीमीटर से भी कम रह गई है और 2024 में महज 900 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। सर्दियों में न के बराबर बर्फबारी होने के कारण ये हिमनद अपनी प्राकृतिक पुनर्भरण प्रणाली गंवा रहे हैं। तागे के मुताबिक, हिमनद के बर्फ के आवरण में कमी के साथ-साथ हिमनद झीलों के दायरे में भी नाटकीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि 1988 में मागो चू घाटी में 15 हिमनद झीलें थीं, जिनका क्षेत्रफल 0.71 वर्ग किलोमीटर था, लेकिन 2017 तक हिमनद झीलों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 29 पर पहुंच गई, जिनका संयुक्त क्षेत्रफल 2.11 वर्ग किलोमीटर दर्ज किया गया।

तागे के अनुसार, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने इनमें से चार हिमनद झीलों को अरुणाचल में उच्च जोखिम वाली जगहों के रूप में सूचीबद्ध किया है। उन्होंने कहा, अब हम ऐसी हिमनद झीलों की चुनौती से जूझ रहे हैं, जो कुछ दशक पहले तक अस्तित्व में भी नहीं थीं। कुछ हिमनद झीलें छोटे-छोटे गड्ढों से बढ़कर 0.8 वर्ग किलोमीटर से भी बड़े जलाशयों में तब्दील हो गई हैं। विस्तृत बाथिमेट्री (महासागरों, नदियों और झीलों में पानी के नीचे की सतह की गहराई एवं आकार का अध्ययन तथा मानचित्रण) और हिमोढ़ स्थिरता अध्ययनों के बिना, यह कहना मुश्किल है कि ये झीलें कब और कैसे बाढ़ का कारण बन सकती हैं।

सीईएसएचएस के शोधकर्ताओं ने पिछली सर्दियों के दौरान खांगरी हिमनद पर लगभग एक मीटर बर्फ का नुकसान दर्ज किया, जबकि बर्फ का संचय न के बराबर रहा, जो हिमनद के तीव्र गति से पिघलने की ओर इशारा करता है। इससे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। वैज्ञानिकों के अनुसार, हाइड्रोडायनामिक मॉडल दर्शाते हैं कि उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों में से किसी एक में बर्फीली चट्टानों के टूटने से 12,000 घन मीटर प्रति सेकंड से अधिक की बाढ़ की लहरें उठ सकती हैं, जिससे मागो, थिंगबू और चागजुम जैसे गांव जलमग्न हो सकते हैं और घाटी के साथ-साथ पन-बिजली ढांचों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

तागे ने कहा, केवल विज्ञान ही जीवन नहीं बचा सकता। हमें अपने आंकड़ों को सामुदायिक तैयारियों, निकासी अभ्यासों और पूर्व चेतावनी प्रणालियों के साथ एकीकृत करने की जरूरत है।

सुविचार

संघर्ष जितना बड़ा होगा, जीत उतनी ही शानदार होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्विट्ज़रलैंड का पाखंड

स्विट्ज़रलैंड ने भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के संबंध में जो बयान दिया है, वह हकीकत से कोसों दूर है। ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ देशों ने हर दो-चार महीने बाद कोई उपदेशनुमा बयान देकर भारत पर निशाना साधने की आदत बना ली है। न उनके पास तथ्य होते हैं और न उन्हें भारतीय समाज के बारे में पर्याप्त जानकारी होती है। फिर भी उन्हें यह दिखाने का शौक़ चर्रा जाता कि 'हम तो मानवाधिकारों के बड़े पैरोकार हैं!' स्विट्जरलैंड को चाहिए कि वह भारत में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता न करे। इसके लिए हम भारतवासी काफी हैं। उसे कालेधन के कारण होने वाले नकारात्मक प्रभावों की चिंता करनी चाहिए। स्विट्ज़रलैंड इसका गढ़ माना जाता है। दुनियाभर से कई लोग टैक्स की चोरी कर उसके बैंकों को मालामाल बना रहे हैं। स्विट्ज़रलैंड के प्रतिनिधि इस पर क्यों नहीं बोलते? अक्सर ऐसे देश जिन खबरों के आधार पर भारत के संबंध में धारणा बनाते हैं, वे आधे-अधूरे तथ्यों पर आधारित होती हैं। पश्चिमी मीडिया एक ओर तो निष्पक्षता का दावा करता है, दूसरी ओर भारत में होने वाली किसी घटना में जातिवाद और सांप्रदायिकता का तड़का लगाने की पूरी कोशिश करता है। कुछ साल पहले एक कुख्यात गैंगस्टर अन्य अपराधियों के हाथों मारा गया था। पश्चिमी मीडिया में उसे इस तरह पेश किया गया था, जैसे किसी मासूम शख्स को उसकी धार्मिक पहचान के कारण निशाना बनाया गया हो! अपराध करना गलत है, लेकिन उससे संबंधित ख़बर में काल्पनिक बातें जोड़कर उसे सांप्रदायिक रंग देना भी गलत है। जब पश्चिमी देशों के राजनेता, अधिकारी और आम लोग ऐसी ख़बर पढ़ते हैं तो उनके मन में भारत की गलत छवि बनती है। इस साजिश का सही तरीके से जवाब देने की जरूरत है।

स्विट्ज़रलैंड को अल्पसंख्यकों के अधिकारों की चिंता है। इसका स्वागत होना चाहिए। क्या यह चिंता सिर्फ भारत के संबंध में है? क्या उसके प्रतिनिधि ऐसी चिंता पाकिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए करेंगे? बांग्लादेश में पिछले एक साल से कैसा माहौल है? क्या स्विट्ज़रलैंड का कोई प्रतिनिधि बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों के लिए आगे आया? उन्हें हर तरह की असुरक्षा भारत में ही दिखाई देती है। अगर यह बात सही है तो बांग्लादेश, म्यांमार जैसे देशों से लोग अवैध ढंग से यहां क्यों आते हैं और क्यों रहना चाहते हैं? उनका तो ख़्वाब होता है कि किसी तरह भारत में दाखिल हो जाएं, उसके बाद चैन से ज़िंदगी गुजारें। जब भारतीय एजेंसियां उन्हें पकड़ती हैं और स्वदेश रवाना करती हैं तो कुछ कथित बुद्धिजीवियों को इसमें 'असहिष्णुता' नजर आने लगती है। कई पश्चिमी थिंक टैंक और संगठन इस पर आपत्ति जताते रहते हैं। अब स्विट्ज़रलैंड के पास सुनहरा मौका है। उसे साबित करना चाहिए कि वह कोरे उपदेश देने वाला नहीं, बल्कि हर तरह के अधिकारों की असल में रक्षा करने वाला देश है। अगर वह भारत में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं को अपने यहां शरण दे तो कैसा रहेगा! सिर्फ शरण न दे, नागरिकता भी दे। भोजन, आवास, वस्त्र और तमाम सुविधाएं दे। ध्यान रहे, ये सभी सुविधाएं अत्यंत उच्च कोटि की होनी चाहिएं। स्विट्ज़रलैंड को एक आदर्श स्थापित करना चाहिए। वह अपनी सीमाएं इराक, सीरिया, लीबिया, अफगानिस्तान, पाकिस्तान जैसे देशों के नागरिकों के लिए खोल दे। आलीशान होटलें उनके लिए पूरी तरह मुफ्त कर दे। 'पहले आओ, पहले पाओ' का नियम लागू करते हुए एक ऐसी मिसाल कायम कर दे कि दुनिया देखे तो सराहे। तब स्विट्ज़रलैंड के शब्दों में वजन आएगा, तब उसके तर्कों की स्वीकार्यता बढ़ेगी। भारत के बारे में अनर्गल बयानबाजी से कुछ नहीं होने वाला।

ट्वीटर टॉक

भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा, जो अनेक कठिनाइयों और प्रतिरोधों के बावजूद निरंतर प्रवाहित होती रही है, उसे पुनः देश और विश्व से परिचित कराने के उद्देश्य से माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में 'ज्ञान भारतम्' की शुरुआत की गई है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मोहन भागवत ने वसुधैव कुटुंबकम के मंत्र से प्रेरित होकर समता-समरसता और बंधुत्व की भावना को सशक्त करने में अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। मोहन जी के 75वें जन्मदिन के विशेष अवसर पर मैंने उनके प्रेरक व्यक्तित्व को लेकर अपनी भावनाएं रखी हैं।

-नरेन्द्र मोदी

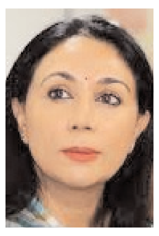

आज जयपुर निवास पर राज्यसभा सांसद श्री राजेंद्र जी गहलोत, जालौर-सिरोही सांसद श्री लुंबा राम जी चौधरी, सादुलशहर विधायक श्री गुरवीर सिंह जी बराड़ और भाजपा कार्यकर्ताओं से आत्मीय भेंट कर उनके क्षेत्र से जुड़ी समस्याएं सुनीं ।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

मित्रता के मायने

समाज सुधारक ईश्वरचंद्र विद्यासागर एक बार किसी छोटी-सी दुकान में चारपाई पर बैठकर दुकानदार से सहज भाव से बातें कर रहे थे। तभी उनका एक मित्र वहां आ पहुंचा। उस मित्र ने ईश्वरचंद्र जी को इशारे से बाहर बुलाया और कहा, 'इस तरह छोटे लोगों के साथ क्यों बैठते हो? अपनी मान-मर्यादा का कुछ तो ख्याल रखा करो।' यह सुनकर ईश्वरचंद्र जी ने मुस्कराते हुए पूछा, 'तो फिर तुम क्यों मेरे जैसे 'छोटे' आदमी के साथ उठते-बैठते हो?' मित्र ने कहा, 'तुम तो मेरे मित्र हो... और मित्रता में कोई छोटा-बड़ा, अमीर-गरीब नहीं होता।' यह उत्तर सुनकर ईश्वरचंद्र मुस्कराए और बोले, 'यही बात तो मैं तुम्हें समझाना चाहता हूं कि मित्रता में कोई अमीर-गरीब या छोटा-बड़ा नहीं होता। वह दुकानदार मेरा मित्र है और मुझे उतना ही प्रिय है, जितने तुम। अब बताओ, उससे घुल-मिलकर बातें करके मैंने क्या गलती की?' ईश्वरचंद्र जी के इस सवाल ने उनके मित्र को बेहद शर्मिंदा कर दिया।मित्रता के मायने

सामयिक

नेपाल में नेतृत्व संकट : अंतरिम सरकार या नई शुरुआत?

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

धनेपाल इस समय गहरे राजनीतिक संकट और अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। हाल के दिनों में भड़के जेनरेशन-ज़ेड (जेन-जेड)आंदोलन ने देश की सत्ता को हिला कर रख दिया। सतह पर दिखने वाला कारण था सोशल मीडिया प्रतिबंध, लेकिन इसके पीछे छिपी असली वजहें थीं-लंबे समय से जमा हुआ जनाक्रोश, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और बढ़ती बेरोज़गारी। यह विरोध इतना तीव्र हुआ कि महज़ दो दिनों के भीतर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफ़ा देना पड़ा। काठमांडू से लेकर वीरगंज तक आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा ने देश को संकट में डाल दिया। संसद भवन, प्रधानमंत्री आवास और सरकारी कार्यालयों को निशाना बनाया गया। यह संसद भवन नेपाल के संघीय लोकतंत्र का प्रतीक था, जिसे बनाने में लगभग 43.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर की लागत लगी थी।

हालात इतने बिगड़े कि सेना को सड़कों पर उतरना पड़ा और पूरे देश में कर्फ्यू लगाना पड़ा। यह आंदोलन बताता है कि जिन युवाओं को अक्सर केवल सोशल मीडिया की पीढ़ी कहकर हल्के में लिया जाता था, वही अब सड़क पर उतरकर सत्ता को चुनौती देने में सक्षम हैं। सोशल मीडिया बैन को युवाओं ने अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला माना। इसके अलावा, नेपाल की अर्थव्यवस्था रेमिटेंस पर भारी निर्भर है-देश की जीडीपी का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा विदेशों में काम कर रहे प्रवासियों की कमाई से आता है। जब सोशल मीडिया बंद हुआ, तो इसे विदेशों में बसे परिजनों से संवाद छीनने की कोशिश भी समझा गया। यही गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा।

प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफ़े के बाद अब सवाल यह है कि देश की बागडोर कौन संभालेगा। आंदोलन के दौरान पहले काठमांडू के मेयर बालेन शाह और मीडिया पर्सनालिटी रवि लामिछाने जैसे नाम सामने आए, लेकिन दोनों ने जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की का नाम सबसे आगे आया। कार्की नेपाल सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रही हैं और भ्रष्टाचार-विरोधी फैसलों के लिए जानी जाती हैं। 2017 में उनके खिलाफ पेश किया गया महाभियोग प्रस्ताव जनता के दबाव में वापस लेना पड़ा था, जिससे उनकी छवि जननायक जैसी बन गई। यही वजह है कि ऑनलाइन पोल में 58.9 प्रतिशत मतदाताओं ने उन्हें अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए सबसे उपयुक्त बताया। हालांकि, राजनीतिक समीकरण अचानक बदले जब धरान के स्वतंत्र मेयर हरका संपांग का नाम सामने आया। हाल ही में उन्हें विशेष हेलिकॉप्टर से सेना मुख्यालय बुलाकर आर्मी चीफ से मुलाकात कराई गई, जिसे केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना गया। हरका संपांग अपनी साफ-सुथरी छवि और जमीनी लोकप्रियता के लिए जाने जाते हैं। बालेन शाह की तरह वे भी पारंपरिक राजनीतिक दलों से अलग एक नई उम्मीद के प्रतीक बनकर उभरे हैं। आंदोलन के कुछ गुटों ने सुशीला कार्की का समर्थन वापस लेकर संपांग को आगे बढ़ाया है। उनका मानना है कि नेपाल को इस समय किसी युवा और स्वतंत्र नेता की ज़रूरत है, जो पुरानी राजनीति के भ्रष्ट ढांचे से अलग हो।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिग्देल संकट से निकलने के रास्ते खोज रहे हैं। सेना ने सुरक्षा की कमान संभाल ली है, लेकिन स्पष्ट कर रही है कि वह राजनीतिक समाधान खुद थोपना नहीं चाहती। उसका रुख है कि जेन-जेड आंदोलनकारियों के साथ बातचीत के माध्यम से ही कोई ऐसा नाम तय किया जाए जिस पर व्यापक सहमति बन सके। लेकिन यही वह बिंदु है जहाँ जेन-जेड आंदोलन की कमजोरी उजागर होती है-इसके पास संगठित नेतृत्व नहीं है। कई समूह अपने-अपने दावेदार लेकर सामने आ रहे हैं। सेना ने जिन प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया, उनकी प्रमाणिकता पर सवाल उठ गए। पुरुषोत्तम यादव के नेतृत्व वाला दल वापस लौटा दिया गया और अन्य समूहों को भी मान्यता नहीं मिली।

तनुजा पांडे नाम की 24 वर्षीय सोशल एक्टिविस्ट पर्दे के पीछे इस पूरे आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सोशल मीडिया बैन के खिलाफ पहला नारा 'इनफ इज़ इनफ' उन्हीं ने दिया था। पर्यावरण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर उनकी सक्रियता ने उन्हें युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाया है। अब जब ओली की सरकार गिर चुकी है, सेना और राष्ट्रपति कार्यालय उनसे परामर्श कर रहे हैं। तनुजा का कहना है कि अब समय आ गया है कि नागरिक समाज को नेतृत्व का मौका दिया जाए, ताकि भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद को खत्म किया जा सके। नेपाल की मौजूदा अस्थिरता की जड़ें गहरी हैं। 1951 से अब तक यह देश लोकतंत्र, राजतंत्र और माओवादी विद्रोह के बीच झूलता रहा है। 2006 में राजतंत्र की समाप्ति के बाद उम्मीद थी कि लोकतांत्रिक स्थिरता आएगी, लेकिन 2008 से आज तक कोई भी पार्टी बहुमत नहीं जुटा पाई। नतीजतन संसद बिखरी हुई है, शासन कमजोर हुआ है और भ्रष्टाचार पनपता गया। आर्थिक दृष्टि से भी नेपाल की स्थिति विरोधाभासी है। गरीबी दर में उल्लेखनीय कमी आई है-1995 में जहां 55 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे थे, वहीं 2023 तक यह घटकर केवल 0.4 प्रतिशत रह गई। लेकिन यह सफलता घरेलू उत्पादन या मज़बूत आर्थिक नीतियों का परिणाम नहीं, बल्कि विदेशों से आने वाले धन पर आधारित रही। यह निर्भरता अब देश को अस्थिरता के समय बेहद असुरक्षित बना रही है।

हालिया हिंसा ने यह भी दिखाया कि राजनीतिक अस्थिरता किस तरह पूरे सामाजिक-आर्थिक ढांचे को झकझोर सकती है। वीरगंज-रक्सौल बॉर्डर का बंद होना भारत-नेपाल व्यापार पर सीधा असर डाल गया। पर्यटक फंस गए, अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। यह सब इस बात का संकेत है कि नेपाल की नाजुक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय रिश्ते किसी भी राजनीतिक संकट से तुरंत प्रभावित हो सकते हैं। भविष्य के रास्ते जटिल हैं। एक संभावना यह है कि राष्ट्रपति और सेना मिलकर एक साझा अंतरिम परिषद का गठन करें, जिसमें सुशीला कार्की और हरका संपांग दोनों को भूमिकाएं दी जाएं। इससे एकतरफ़ा फैसले से पैदा होने वाले असंतोष को टाला जा सकता है। दूसरी संभावना यह है कि नागरिक समाज और युवाओं को औपचारिक राजनीतिक प्रक्रिया में शामिल करने का प्रयास हो। ऋशप-न आंदोलन ने यह साफ कर दिया है कि पारंपरिक राजनीतिक दलों पर उनका भरोसा कमज़ोर पड़ चुका है। वे पारदर्शिता, जवाबदेही और ठोस सुधार चाहते हैं।

नेपाल का यह संकट केवल सत्ता परिवर्तन का मामला नहीं है। यह एक पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। युवाओं ने यह दिखा दिया है कि वे केवल डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म तक सीमित नहीं हैं; वे सड़कों पर उतरकर सत्ता संरचनाओं को चुनौती दे सकते हैं। आने वाले हफ्तों में सेना, राष्ट्रपति और आंदोलन के नेताओं के बीच होने वाली बातचीत यह तय करेगी कि क्या नेपाल इस संकट से निकलकर स्थिरता की ओर बढ़ पाएगा या अस्थिरता का यह दौर और लंबा खिंच जाएगा। जो भी हो, यह साफ है कि नेपाल की राजनीति अब पहले जैसी नहीं रह जाएगी।

नजरिया

श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य ही श्राद्ध है

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धापूर्वक किया गया कार्य जिससे पितरों को शांति मिलती है। श्राद्ध की उत्पत्ति पूर्वजों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता से हुई है जिसकी शुरुआत वैदिक काल से मानी जाती है। महाभारत के अनुसार सबसे पहले महर्षि निमि ने अत्रि मुनि के उपदेश से श्राद्ध किया और यह परंपरा धीरे-धीरे प्रचलित हुई। पितृ दोष होने पर व्यक्ति को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है इसलिए पितृपक्ष में पितरों का स्मरण और पूजन करना आवश्यक है। हिंदू धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व है। पितृ पक्ष को श्राद्ध पक्ष के नाम से भी जाना जाता है। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध और तर्पण किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आर्शावाद प्राप्त होता है। श्राद्ध सूक्ष्म शरीरों के लिए वही काम करते हैं जो कि जन्म के पूर्व और जन्म के समय के संस्कार स्थूल शरीर के लिए करते हैं। इसलिए शास्त्र पूर्व जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धादि कर्म का विधान निर्मित करते हैं। सभी संस्कारों विवाह को छोडकर श्राद्ध ही ऐसा धार्मिक कृत्य है जिसे लोग पर्याप्त धार्मिक उत्साह से करते हैं। विवाह में बहुत से लोग कुछ विधियों को छोड़ भी देते हैं। परन्तु श्राद्ध कर्म में नियमों की अनदेखी नहीं की जाती है। क्योंकि श्राद्ध का मुख्य उद्देश्य परलोक की यात्रा की सुविधा करना है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा से पितृ पक्ष शुरू होकर करीब 16 दिनों तक चलने वाले श्राद्ध में अश्विन मास की अमावस्या तक पितृ पृथ्वी पर वास करेंगे। इन 16 दिनों तक पितरों को प्रसन्न करने के लिए उन्हे यज्ञ, जल से तर्पण दिया जाएगा। इस दौरान पितरों की आत्मा की शांति के लिए जगह-जगह पिंडदान, नारायण बलि, जल तर्पण आदि कर्मकांडों से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश की जाती है।

आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से लेकर अमावस्या तक ब्रह्माण्ड की ऊर्जा तथा उस उर्जा के साथ पितृप्राण पृथ्वी पर व्याप्त रहता है। धार्मिक ग्रंथों में मृत्यु के बाद आत्मा की स्थिति का बड़ा सुन्दर और वैज्ञानिक विवेचन भी मिलता है। पुराणों के अनुसार पितृपक्ष में जो तर्पण किया जाता है उससे वह पितृप्राण स्वयं आप्यापित होता है। पुत्र या उसके नाम से उसका परिवार जौ तथा चावल का पिण्ड देता है। उसमें से अंश लेकर वह अम्भप्राण का ऋण चुका देता है। ठीक आश्विन कृष्ण प्रतिपदा से वह चक्र उर्ध्वमुख होने लगता है। 15 दिन अपना-अपना भाग लेकर शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से पितर उसी ब्रह्मांडीय उर्जा के साथ वापस चले जाते हैं। इसलिए इसको पितृपक्ष कहते हैं और इसी पक्ष में श्राद्ध करने से पित्तरों को प्राप्त होता है।

श्राद्ध पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता अभिव्यक्त करने तथा उन्हें याद करने के निमित्त किया जाता है। इसके पीछे मान्यता है कि जिन पूर्वजों के कारण हम आज अस्तित्व में हैं। जिनसे गुण हमें विरासत में मिलें हैं। उनका हम पर न चुकाये जा सकने वाला ऋण हैं। पितरों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में जो तर्पण किया जाता है। उसके पीछे धार्मिक मान्यता है कि इससे पितरों को स्वर्ग प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को शांति मिलती है। मंदिरों और नदियों के किनारे पितरों को तर्पण देने की सदियों से चली आ रही धार्मिक परम्परा आज भी अनवरत रूप से जारी है। श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा (सच्चा विश्वास और प्रेम) से किया जाने वाला कर्मकांड जो मृत पूर्वजों (पितरों) की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए किया जाता है। यह उनके प्रति कृतज्ञता, सम्मान और स्मरण भाव को व्यक्त करने का एक तरीका है, और इसके माध्यम से उन्हें संतुष्ट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है।

श्राद्ध का वैज्ञानिक पहलू भी है। वेदों में, दर्शन शास्त्रों में, उपनिषदों एवं पुराणों आदि में हमारे ऋषियों-मनीषियों ने इस विषय पर विस्तृत विचार किया है। श्रीमद्भागवत गीता में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जन्म लेने वाले की मृत्यु और मृत्यु को प्राप्त होने वाले का जन्म निश्चित है। यह प्रकृति का नियम है। शरीर नष्ट होता है मगर आत्मा कभी भी नष्ट नहीं होती है।

वह पुनः जन्म लेती है और बार-बार जन्म लेती है। इस पुनः जन्म के आधार पर ही कर्मकाण्ड में श्राद्धदि कर्म का विधान निर्मित किया गया है। इसलिए हिंदू धर्म शास्त्रों में श्राद्ध करने का विशेष विधान बताया गया है। श्रद्धया इदं श्राद्धम, अर्थात जो श्रद्धा से किया जाये वही श्राद्ध है। श्राद्ध प्रथा वैदिक काल के बाद शुरु हुई और इसके मूल में इसी श्लोक की भावना है। उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा पितरों के लिए श्रद्धा भाव से मन्त्रों के साथ जो दान-दक्षिणा आदि दिया जाय वही श्राद्ध कहलाता है। भाद्रपद मास की पूर्णिमा के दिन सूर्य के कन्या राशि में प्रवेश करने पर इस दिन इसे कनायत भी कहते हैं और इसी दिन से पितृ पक्ष शुरू होता है।

पुराणों में इसके आयोजन को लेकर कई कथाएं हैं। जिसमें कर्ण के पुनर्जन्म की कथा काफी प्रचलित है। हिन्दू धर्म में सर्वमान्य श्री रामचरित में भी श्री राम के द्वारा राजा दशरथ और जटायु को गोदावरी नदी पर जलांजलि देने का उल्लेख है। भरत के द्वारा दशरथ हेतु दशगात्र विधान का उल्लेख भरत कीन्हि दशगात्र विधाना तुलसी रामायण में हुआ है । भारतीय धर्मग्रंथों के अनुसार मनुष्य पर तीन प्रकार के ऋण प्रमुख माने गए हैं- पितृ ऋण, देव ऋण तथा ऋषि ऋण। इनमें पितृ ऋण सर्वोपरि है। पितृ ऋण में पिता के अतिरिक्त माता तथा वे सब बुजुर्ग भी सम्मिलित हैं, जिन्होंने हमें अपना जीवन धारण करने तथा उसका विकास करने में सहयोग दिया।

पितृपक्ष में हिन्दू लोग मन कर्म एवं वाणी से संयम का जीवन जीते हैं। पितरों को स्मरण करके जल चढ़ाते हैं। निर्धनों एवं ब्राह्मणों को दान देते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार दरिद्र व्यक्ति केवल मोटा अन्न, जंगली साग, फल और न्यूनतम दक्षिणा यदि वह भी ना हो तो सात या आठ तिल अंजलि में जल के साथ लेकर ब्राह्मण को देना चाहिए या किसी गाय को दिन भर घास खिला देनी चाहिए। अन्यथा हाथ उठाकर दिक्पालों और सूर्य से याचना करनी चाहिए कि हे प्रभु मैंने हाथ वायु में फैला दिये हैं, मेरे पितर मेरी भक्ति से संतुष्ट हों। देश में श्राद्ध के लिए हरिद्वार, गंगासागर, जगन्नाथपुरी, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर, बद्रीनाथ सहित कई स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है। लेकिन गया का स्थान उसमें सर्वोपरि कहा गया है।

गया में फल्गु नदी के किनारे श्राद्ध कर्म करना सबसे ज्यादा पुण्य प्रदान करने वाला माना जाता है। जो व्यक्ति गया में श्राद्ध करने जाता है उसको पूरे पितृ पक्ष वहीं रह कर श्राद्ध क्रिया पूरी करनी पड़ती है। गया में पिंडदान करने से सात पीढियों का उद्धार हो जाता है। गया जी में पूरे साल पिंडदान किया जाता है। शास्त्रों में पितरों के लिए पितृपक्ष के दौरान पिंडदान करने का अलग महत्व बताया गया है। मान्यता है कि गया जी में श्राद्ध कर्मकांड सृष्टि के रचना काल से शुरू है। वायुपुराण, अग्निपुराण तथा रूढ पुराण में गया तीर्थ का वर्णन है। भगवान ब्रह्मा ने पृथ्वी पर आकर फल्गु नदी में प्रेतशिला पर पिंडदान किया था। त्रेता युग में भी भगवान श्रीराम भी अपने पिता राजा दशरथ के मरणोपरांत फल्गु नदी के तट पर श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान, कर्मकांड को कर पितृऋण से मुक्त हुए थे। श्राद्ध महिमा में कहा गया है- 'आयु: पूजां धनं विद्यां स्वर्ग मोक्ष सुखानि च। प्रयच्छति तथा राज्यं पितर: श्राद्ध तर्पिता।।' - अर्थात जो लोग अपने पितरों का श्राद्ध श्रद्धापूर्वक करते हैं, उनके पितर संतुष्ट होकर उन्हें आयु, संतान, धन, स्वर्ग, राज्य मोक्ष व अन्य सौभाग्य प्रदान करते हैं।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इजराइली आक्रामकता को रोकने के लिए मुस्लिम देशों को एकजुट होने की जरूरत: शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बृहस्पतिवार को कतर के अमीर से मुलाकात की और दोहा में इजराइल की ओर से रिहायशी इलाकों को निशाना बनाकर किए गए हालिया हमलों की निंदा करते हुए खाड़ी देश के साथ एकजुटता जताई। शरीफ ने मुस्लिम देशों से इजराइली आक्रामकता के खिलाफ एकजुट होने का आग्रह भी किया।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, एक दिवसीय यात्रा पर दोहा पहुंचे शरीफ ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के साथ बहुत गर्मजोशी भरी और सौहार्दपूर्ण बैठक की।बयान में शरीफ के हवाले से कहा गया है, पश्चिम एशिया में इजराइल की बेशर्म आक्रामकता को रोका जाना चाहिए। इजराइल उकसावे के मद्देनजर उम्माह (वैश्विक मुस्लिम समुदाय) को अपने सदस्यों के बीच एकता की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि शरीफ ने दोहा में नौ सितंबर के इजराइली हमले की पाकिस्तान की तरफ से कड़ी निंदा की और इसे कतर की संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता का घोर उल्लंघन बताया।

बयान के अनुसार, शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान का नेतृत्व और जनता कतर के खिलाफ इस हमले से बहुत विचलित है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने गाजा पट्टी में शांति बहाली से जुड़े प्रयासों में कतर की जिम्मेदार, रचनात्मक और मध्यस्थ भूमिका की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल की ऐसी आक्रामक गतिविधियां स्पष्ट रूप से क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करने और शांति स्थापना से जुड़े राजनयिक एवं मानवीय प्रयासों को खतरे में डालने का प्रयास हैं। बयान के मुताबिक, शरीफ ने पाकिस्तान और कतर के बीच ऐतिहासिक, दोस्ताना संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देश हर अच्छे-बुरे समय में गर्व से एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं।

नेपाल: 'जेन जेड' समूह ने संसद भंग करने और संविधान में संशोधन की मांग की

काठमांडू/भाषा। नेपाल में सरकार विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे 'जेन जेड' समूह ने बृहस्पतिवार को कहा कि संसद को भंग किया जाना चाहिए और लोगों की इच्छा को प्रतिबिंबित करने के लिए संविधान में संशोधन किया जाना चाहिए। वहीं, प्रदर्शनों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने अपने विचार व्यक्त करने के लिए यहां एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया, जबकि उनके कुछ प्रतिनिधि वर्तमान राजनीतिक संकट का समाधान खोजने के लिए सेना मुख्यालय में राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल के साथ विचार-विमर्श में व्यस्त थे। वर्ष 1997 से लेकर 2012 तक के बीच जन्में युवाओं को प्राय: जेन जेड पीढ़ी के नाम से जाना जाता है। इस अवसर पर 'जेन जेड' कार्यकर्ताओं ने बातचीत और सहयोग के माध्यम से समाधान खोजने की आवश्यकता पर बल दिया। 'जेन जेड' समूह के प्रतिनिधि दिवाकर दंगल, अमित बनिया और जुनल दंगल ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने पुराने राजनीतिक दलों को चेताया कि वे अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका इस्तेमाल न करें। एक कार्यकर्ता ने कहा, यह पूरी तरह से नागरिक आंदोलन है, इसलिए इसमें राजनीति करने की कोशिश न करें। दंगल ने कहा, हमारे सामने राष्ट्रीय संप्रभुता, एकता की रक्षा और आत्म-सम्मान बनाए रखने की चुनौती है। हम सभी नेपालियों को इस कठिन परिस्थिति में नेपाली जनता के कल्याण और हितों की रक्षा के लिए एकजुट होना चाहिए।

दीक्षांत समारोह

पटना में गुरुवार को अधिवेशन भवन में राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) के वार्षिक दीक्षांत समारोह में छात्र शामिल हुए।

मनसे ने कपिल शर्मा को चेतावनी दी, अपने शो में मुंबई को 'बॉम्बे' या 'बंबई' कहना बंद करें

मुंबई/एजेन्सी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने बृहस्पतिवार को हास्य-अभिनेता कपिल शर्मा को अपने शो में मुंबई को 'बॉम्बे' या 'बंबई' कहकर उसका 'अपमान' करने को लेकर चेताया और कहा कि अगर यह बंद नहीं किया तो वह इसके खिलाफ कड़ा आंदोलन शुरू करेंगे। मनसे नेता अमेय खोपकर ने पत्रकारों से बात करते हुए कपिल शर्मा को यह चेतावनी दी। खोपकर पार्टी की फिल्म शाखा के प्रमुख हैं। यह चेतावनी शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे द्वारा स्थानीय निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा के बीच मुंबई में अपने चचेरे भाई और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे के घर जाने के एक दिन बाद आई है। खोपकर ने कहा, इस शहर का नाम मुंबई है। कपिल शर्मा के शो में, हम लंबे समय से देखते आ रहे हैं और इस नए सीजन के शुरू होने से पहले भी... शहर को हमेशा बॉम्बे या बम्बई कहा जाता है। हम इसका विरोध करते हैं। यह कोई आपत्ति नहीं, बल्कि गुस्सा है। इस शहर का नाम मुंबई है। अगर आप दूसरे शहरों को चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता जैसे उनके सही नामों

से बुला सकते हैं, तो हमारे शहर का अपमान क्यों कर रहे हैं?

उन्होंने कहा, आप (शर्मा) इतने सालों से मुंबई में काम कर रहे हैं, मुंबई आपकी कर्मभूमि है। मुंबई के लोग आपको पसंद करते हैं और आपका शो देखते हैं। मुंबई हमारे दिलों में है, इस शहर का अपमान मत करो, मुंबई के लोगों का अपमान मत करो। मैं कपिल शर्मा को चेतावनी दे रहा हूं। खोपकर ने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि अगर यह गलती से हुआ है, तो गलती सुधार लें। आपके शो में जो भी आए, चाहे वे सेलिब्रिटी हों या एंकर, उन्हें पहले बताएं कि वे मुंबई को बॉम्बे या बंबई न कहें। उन्हें मुंबई कहना होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मनसे एक आंदोलन शुरू करेगी।

कपिल शर्मा 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' होस्ट करते हैं, जो नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होता है। शो के तीसरे सीजन का 21 जून को प्रीमियर हुआ था। मनसे नेता अमेय खोपकर से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर इस मुद्दे को उठा रही है? इस पर उन्होंने कहा, हम पिछले कई सालों से इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं। चुनावों को एक तरफ रखिए, इस शहर का नाम मुंबई है। आपको मुंबई कहना ही होगा। और जो इसे मुंबई नहीं कहेंगे, उन्हें हमारे गुस्से का सामना करना पड़ेगा।

अदालत ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए 10,000 रुपये के भरण-पोषण की सीमा पर पुनर्विचार का आग्रह किया

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 200% की धारा 9 की समीक्षा और संशोधन करने की सिफारिश की है। यह अधिनियम न्यायाधिकरणों को बुजुर्ग माता-पिता के लिए प्रति माह 10,000 रुपये से अधिक की राशि भरण-पोषण के तौर पर देने का आदेश देने से रोकता है।

न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि भरण-पोषण के लिए यह राशि आज की आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती तथा इसे महंगाई के अनुरूप अद्यतन किया जाना चाहिए। न्यायाधीश ने कहा, यह अदालत गंभीरतापूर्वक यह सिफारिश करना उचित समझती है कि केंद्र धारा नौ पर पुनर्विचार करे और जीवन-यापन सूचकांक की लागत के अनुरूप अधिकतम सीमा को संशोधित करे, ताकि यह अधिनियम एक खोखला वादा बनकर न रह जाए, बल्कि वृद्धावस्था में सम्मान की जीवंत गारंटी बना रहे।

पीठ ने इस पर जोर दिया कि किसी राष्ट्र की सच्ची संपदा का मापदण्ड केवल भौतिक प्रगति नहीं बल्कि इस बात से भी होता है कि वह अपने बच्चों और बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। वर्ष 2007 से जीवन-यापन की लागत में भारी वृद्धि की ओर इशारा करते हुए अदालत ने सरकार के मुद्रास्फीति सूचकांक का हवाला दिया और इस बात पर ज़ोर दिया कि जो चीज 2007 में 100 रुपये में खरीदी जा सकती थी, उसके लिए 2025 में लगभग 1,000 रुपये की जरूरत होगी। पीठ ने कहा, भोजन, आवास और स्वास्थ्य सेवा का खर्च कई गुना बढ़ गया है। फिर भी भरण-पोषण की सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिससे बुनियादी ज़रूरतें भी पूरी करना असंभव हो गया है। अदालत ने सवाल किया कि क्या इतनी कम राशि से कोई गरिमा से रह सकता है और चिकित्सा सेवाएं ले सकता है। अदालत ने आगाह किया कि इस वास्तविकता को नजरअंदाज करने से बुढ़ापा मात्र एक पशुवत अस्तित्व बनकर रह जाएगा।

वर्ष 2019 में अधिनियम में संशोधन किया गया, लेकिन धारा 9(2) के तहत 10,000 रुपये की सीमा अपरिवर्तित रही। 2019 के एक संशोधन विधेयक में इस सीमा को हटाने और न्यायाधिकरणों को वरिष्ठ नागरिकों की जरूरतों और सम्मान के अनुपात में भरण-पोषण राशि तय करने की अनुमति देने का प्रस्ताव था। हालांकि, वह प्रस्ताव कभी लागू नहीं हुआ। अदालत ने कहा कि चूंकि केंद्रीय कानून में सीमा तय है, इसलिए राज्य 10,000 रुपये से अधिक की राशि देने के नियम नहीं बना सकते। ये टिप्पणियां सुनील एच बोहरा और अन्य द्वारा दायर याचिका पर आईं, जिसमें सहायक आयुक्त के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उन्हें अपने माता-पिता को एकमुश्त मुआवजे के रूप में पांच लाख रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का गुरुवार को रायबरेली के बचत भवन में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में स्वागत किया गया।

सोनू सूद की नेक पहल, बहन मालविका के साथ पंजाब के गांवों में पहुंचाई राहत सामग्री

मुंबई/एजेन्सी

अपनी दरियादिली और समाजसेवा के जज्बे के लिए मशहूर अभिनेता सोनू सूद और उनकी बहन मालविका सूद एक बार फिर पंजाब के लोगों के लिए मदद का हाथ बढ़ा रहे हैं। बुधवार को सोनू सूद ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने बताया कि पंजाब के कुछ गांवों में लोगों को कुछ सामानों की जरूरत है। वीडियो में सोनू ने बताया कि कई गांवों में लोगों को गद्दे, खाना, तकिए और महिलाओं के लिए सैनिटरी पैड्स की आवश्यकता है। उनकी पूरी टीम ट्रैक्टरों में लदी राहत सामग्री के साथ इन गांवों की ओर रवाना हो रही है। वीडियो में सोनू अपनी बहन और बाकी लोगों के साथ ट्रैक्टर पर सवार होकर सामान बांटने जाते दिखाई दे रहे हैं। सोनू ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, एक और

दिन, वही मिशन। हम सब मिलकर पंजाब को फिर से उठाएंगे और बनाएंगे। सोनू और उनकी टीम का यह प्रयास केवल राहत सामग्री बांटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों में उम्मीद और एकजुटता का संदेश भी देता है।

सोनू सूद का यह कदम एक बार फिर साबित करता है कि वह केवल पर्दे के हीरो नहीं हैं, बल्कि असल जिंदगी में भी लोगों के लिए प्रेरणा हैं। उनकी इस पहल को सोशल मीडिया पर खूब सराहना मिल रही है। लोग उन्हें रियल हीरो कहकर पुकार रहे हैं। इससे पहले भी अभिनेता ने पंजाब में बाढ़ ग्रस्त इलाकों का दौरा किया था, जिसकी तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं। सोनू ने तस्वीरों के साथ कैप्शन दिया, पंजाब के साथ, हमेशा। हमने जमीन पर जाकर नुकसान देखा, लोगों के टूटते दिल देखे, लेकिन उनकी हिम्मत भी देखी, जो कभी कम नहीं हुई। गांव पानी में डूबे हैं, जिंदगियां बिखर गई हैं, पर उम्मीद अब भी जिंदा है। पंजाब को जो चाहिए, हम देंगे। मदद के लिए, दोबारा बसाने के लिए, और मिलकर ठीक होने के लिए। हमेशा पंजाब के साथ।

विरोध

कोलकाता में गुरुवार को प्राथमिक टीईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों ने भर्ती की मांग को लेकर पश्चिम बंगाल विधानसभा तक विरोध मार्च निकाला।

इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए : श्रेयस तलपड़े

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े का कहना है कि इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए जिससे लोगों को इतिहास से सीख मिल सके। श्रेयस तलपड़े ने कंगना रनौत निर्मित-निर्देशित फिल्म इमरजेंसी में अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाया है। इमरजेंसी का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 12 सितंबर को ज़ी सिनेमा पर हो रहा है। श्रेयस तलपड़े ने कहा, मेरा मानना है कि इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी को जाननी चाहिए। यह सिर्फ अतीत का कोई वाकया नहीं है। जिन्होंने इसे झेला, उनके लिए यह अब भी एक जीती-जागती याद है, लेकिन नई पीढ़ी इसके बारे में लगभग कुछ नहीं जानती। इस फ़िल्म के ज़रिए उन्हें असलियत देखने का मौका मिलेगा – उस दौर की मुश्किलें समझने का और यह भी सीखने का कि ऐसी गलती दोबारा कभी नहीं होनी चाहिए। यही इतिहास से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख है।

श्रेयस तलपड़े ने कहा, अटल जी का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी थी, क्योंकि वे ऐसे नेता हैं जिन्हें हर कोई बेहद सम्मान देता है। ज़्यादातर लोग उन्हें सिर्फ 90 के दशक और 2000 के दशक के प्रधानमंत्री के तौर पर याद करते हैं, लेकिन उनके शुरुआती दिनों और इमरजेंसी के दौरान उनकी भूमिका के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। कंगना ने इस दौर पर गहरी रिसर्च की थी और उन्होंने मेरे साथ अटल जी के भाषण, उनका बोलने का अंदाज, यहां तक कि उनकी छोटी-छोटी बारीकियां भी साझा कीं। उस मार्गदर्शन की वजह से मैं अटल जी का वो रूप सामने ला पाया जो लोगों ने पहले कभी नहीं देखा होगा।

'मिर्जापुर: द मूवी' में फिर से कंपाउंडर के रूप में नजर आयेंगे अभिषेक बनर्जी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता 'मिर्जापुर: द मूवी' में फिर से कंपाउंडर के रूप में नजर आयेंगे। मिर्जापुर: द मूवी में अभिषेक बनर्जी एक बार फिर अपने पसंदीदा किरदार कंपाउंडर के रूप में वापसी कर रहे हैं। मुन्ना भैया के साथ उनकी ज़बरदस्त केमिस्ट्री और दमदार एक्टिंग की वजह से यह किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में ज़िंदा है।हाल ही में एक फैन से बातचीत में अभिषेक ने खुद बताया कि वे इस शानदार फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा फिर बनने जा रहे हैं, जो अब डिजिटल स्क्रीन से बड़े पर्दे तक पहुंच चुकी है।

इस खबर से उनके फैंस बेहद खुश हैं और सोशल मीडिया पर उनका स्वागत कर रहे हैं। पहले सीज़न में उनके किरदार की गहरी छाप आज भी लोगों के बीच उतनी ही लोकप्रिय है। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने भी इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने कहा, यह तय है कि अभिषेक बनर्जी कंपाउंडर के रूप में लौट रहे हैं। उन्हें फिल्म के अनाउंसमेंट टीज़र में भी बाकी अहम किरदारों

के साथ दिखाया गया है। दर्शकों के लिए उन्हें मुन्ना भैया के साथ फिर स्क्रीन शेयर करते देखना बेहद रोमांचक होगा।

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में छाया भोजपुरी स्वैग

मुंबई। धर्मा प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का नया गाना 'पनवाड़ी' रिलीज हो चुका है। सोशल मीडिया से लेकर म्यूजिक चार्ट्स तक, हर जगह इस गाने की धूम मची हुई है। गाने में वरुण धवन, जान्हवी कपूर, रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा जैसे सितारों की केमिस्ट्री देखते ही बनती है। इस गाने की शुरुआत भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की देसी गायकी से होती है। इसके बाद गाने में मस्ती शुरू होती है। गाने की चंद लाइनें कुछ इस तरह हैं, ''पनवाड़ी के पीछे वाली पतली गली में है तुम्हारे सजन की कोठरी।''

एपीएस के संगीत निर्देशन में तैयार हुए इस गाने के लिरिक्स जयराज ने लिखे हैं। गाने में खेसारी लाल यादव के साथ मासूम शर्मा, देव नेगी, निकिता गांधी, अकासा सिंह और प्रीतम ने भी अपनी-अपनी गायकी का जलवा बिखेरा है। जहां खेसारी ने भोजपुरी का ठेठ रंग डाला, वहीं मासूम शर्मा ने हरियाणवी अंदाज से गाने को और शानदार बनाया। गाने की कोरियोग्राफी की बात करें तो पीयूष

भगत और शाजिया सामजी ने शॉट्स और मूव्स में स्टाइल का तड़का दिया है। बता दें कि 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को शशांक खेतान ने डायरेक्ट किया है और इसे करण जौहर, हिरू यश जौहर, आदर्श पूनावाला, अपूर्वा मेहता, और खुद शशांक खेतान ने प्रोड्यूस किया है। को-प्रोड्यूसर मारिके डिसूजा हैं। फिल्म की कहानी और डायलॉग्स भी शशांक खेतान ने ही लिखे हैं, जिनमें इशिता मोइत्रा ने सहयोग दिया है। वरुण धवन के साथ शशांक खेतान की यह तीसरी फिल्म है। इसके पहले दोनों ने 'हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया' और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' में साथ काम किया था। इस फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर की जोड़ी नजर आएगी। इससे पहले दोनों ने साल 2023 में आई फिल्म 'बवाल' में साथ काम किया था। फिल्म 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपनी सभी फिल्मों की पूरी जिम्मेदारी मैं खुद लेती हूं, चाहे वे हिट हों या फ्लाप : काजोल

नई दिल्ली/भाषा

असफलता अभिनेत्री काजोल के लिए कोई मायने नहीं रखती और वह कहती हैं कि अपनी सभी फिल्मों की जिम्मेदारी वह स्वयं लेती हैं चाहे वह सुपरहिट दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे और कभी खुशी कभी गम हों या फिर फ्लॉप फिल्म गुंडाराज और हलचल क्यों न हो। काजोल ने अपने 30 साल के करियर पर चर्चा करते हुए पीटीआई-भाषा से कहा मैं इसमें एक भी चीज़ नहीं बदलना चाहूंगी। वह साल 1995 को याद करती हैं, जो उनके लिए सफलता और असफलता दोनों से भरा था। इसी साल उन्होंने करन अर्जुन और दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं लेकिन इसी साल उनकी फिल्में ताकत, हलचल और गुंडाराज बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरीं। बहरहाल, काजोल मानती हैं कि असफलताएं भी सीखने का अवसर थीं और उन्होंने हर भूमिका में अपनी पूरी मेहनत लगाई।

काजोल ने दर्शकों के प्यार के लिए आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके निजी जीवन के हर पड़ाव को देखा चाहे वह गर्भावस्था हो, शादी हो या बचपन से अब तक की यात्रा।

उनकी फिल्मों में बाजीगर, उधार की जिदगी, गुप्त, कुछ कुछ होता है, कभी खुशी कभी गम, फना और माय नेम इज खान जैसी सुपरहिट फिल्में शामिल हैं। हाल ही में, उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कदम रखा है और जिओ हॉटस्टार की वेब सीरीज द ट्रायल के दूसरे सीजन में वह नजर आएंगी। यह सीरीज अमेरिकी शो द गुड वाइफ का हिंदी रूपांतरण है।

काजोल ने कहा कि एक ही किरदार न निभाने की उनकी आदत के बावजूद, नॉयोनिका की भूमिका को दोबारा निभाना उनके लिए ताजा अनुभव था क्योंकि वेब सीरीज में किरदार की कहानी कई सीजनों में विकसित होती है, जो फिल्मों के एक-बार के किरदार से अलग है। नया सीजन 19 सितंबर को रिलीज़ होगा, जिसमें नॉयोनिका अब एक आत्मविश्वासी वकील के रूप में दिखाई देंगी, जो जीवन में कठिनाइयों और धोखे का सामना कर रही है। कहीं न कहीं नॉयोनिका काजोल के अपने विकास को भी दर्शाती है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

'ग्यारह दिवसीय उवसग्गहर स्तोत्र' आराधना प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा के सान्निध्य में गुरुवार से ग्यारह दिवसीय उवसग्गहर स्तोत्र आराधना का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मुनिश्री ने कहा कि यह आराधना सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय है। यह केवल किसी एक के लिए नहीं, बल्कि पूरे परिवार, संघ और समाज के लिए सुख-शांति का वातावरण निर्मित करने में महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह आराधना आनंदकारक और मंगलकारी है तथा साधक के जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है। प्रवचन के दौरान मुनिजी ने परदेशी राजा की कथा को आगे बढ़ाते हुए बताया कि किस प्रकार परंपरागत मान्यताओं से चिपक जाना मनुष्य को प्रगति से रोकता है। जब राजा ने कहा कि हमारी परंपरा यह मानती है कि जीव और शरीर एक ही हैं और इस मान्यता को हम छोड़ नहीं सकते, तब केशी श्रमण ने उसे उदाहरण देकर समझाया। उन्होंने कहा कि जैसे कुछ व्यापारी विदेश व्यापार के लिए जाते हैं और रास्ते में उन्हें पहले लोहे की खान मिलती है। अधिकांश व्यापारी लोहा लेकर आगे बढ़ जाते हैं। आगे उन्हें चाँदी की खान मिलती है, तो सभी व्यापारी लोहे को छोड़कर चाँदी ले लेते हैं। लेकिन एक व्यापारी कहता है 'मैंने इतनी मेहनत से लोहा उठाया है, मैं इसे नहीं छोड़ूँगा।'

आगे चलकर उन्हें सोने की खान मिलती है। सब व्यापारी चाँदी छोड़कर सोना ले लेते हैं, किंतु वही व्यापारी अब भी लोहा ही उठाए रहता है। अंत में जब सभी व्यापारी सोना लेकर अपने नगर लौटते हैं, तो उनके पास महलों जैसी समृद्धि होती है, जबकि लोहे वाला व्यापारी केवल अपने लोहा के ढेर के साथ खाली हाथ सा लौटता है। वह पछताता है कि यदि उसने सही समय पर निर्णय लिया होता तो आज वह भी सम्पन्नता में होता। मुनिश्री ने बताया कि यही स्थिति राजा पर्देसी की थी। श्रमण ने उसे समझाया कि जैसे लोहा छोड़कर चाँदी और सोना लेने पर ही प्रगति संभव होती है, वैसे ही मोह और परंपरागत गलत मान्यताओं को छोड़कर सत्य और धर्म को अपनाना ही जीवन की उन्नति है। जो बात नुकसानदेह है, उसे जानकर भी पकड़कर रखना मूर्खता है। इस कथा से प्रभावित होकर राजा पर्देसी ने कहा - भगवन! अब मुझे सब समझ आ गया है। अब मैं इस संसार की ठोकरें नहीं खाऊँगा। धर्म का उपदेश कीजिए। श्रमण ने उसे धर्मोपदेश दिया और एक हिंसक, अन्यायी और पापी राजा श्रावक बन गया। यह अद्भुत परिवर्तन था, जिसकी संभावना दूर-दूर तक नहीं दिख रही थी। लेकिन संतों का सान्निध्य और सत्संग मिलने से उसकी पूरी जिंदगी की तस्वीर बदल गई, किस्मत भी बदल गई।

इस अवसर पर मंत्री विनयचंद पावेचा ने बताया कि आज से 'श्रवण कुमार चरित्र' पर चार दिवसीय रात्रि प्रवचन का आयोजन होगा। यह प्रवचन प्रतिदिन रात्रि सवा आठ बजे से होगा। जिसमें विशेष रूप से युवाओं और परिवारों के लिए प्रेरणादायी प्रसंग रखे जाएंगे।

दो दिवसीय आध्यात्मिक सम्मेलन का आयोजन 13 सितंबर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेद आगम थेवरा आध्यात्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रम पर दो दिवसीय सम्मेलन 13 और 14 सितंबर को तिरुवन्नामलै में आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में कांची कामकोटि पीठम के आचार्य शंकर विजयेंद्र सरस्वती, श्री रविशंकराचार्य, श्रीविल्लिपुथुर के सदगोपा रामानुज जीयर और श्रीपुरम नारायणी पीठम स्वर्ण मंदिर वेलूर की शक्ति अम्मा मेलमारुवधुर आदिपाराशक्ति पेडम के सेंथिलकुमार और बालामुरुगन स्वामीगल, रथिनागिरी के श्री बाला मुरुगन और कलावई के सचिदानंद स्वामी शामिल होंगे। सम्मेलन के पहले दिन 13 सितंबर को सुबह पूरे तमिलनाडु से एक हजार आठ शिवाचार्यों की भागीदारी के साथ महा शिव पूजा आयोजित की जाएगी। दोपहर में स्वामी जी के साथ आध्यात्मिक भक्तों और 'सेवादाई' स्वयंसेवकों के साथ एक भव्य आध्यात्मिक सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद शाम को आध्यात्मिक गुरुओं के प्रवचन होंगे।

कार्यक्रम के अगले दिन 14 सितंबर को सुबह श्री ललिता सहस्रनाम के जाप के साथ विश्व कल्याण के लिए तिरुविलक्कु (पवित्र दीप) की पूजा की जाएगी। कांची महापेरियावा, जीयर स्वामीगल, तमिलनाडु के सभी अधीनम और शिवाचार्य साथ ही सन्निधानम भी इसमें शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में मानवाधिकार आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति राम सुब्रमण्यम और अन्य गणमान्य व्यक्ति अपना उद्बोधन देंगे तत्पश्चात आध्यात्मिक गुरुओं, स्वयंसेवकों को सम्मानित किया जाएगा। शाम को प्रसिद्ध संगीतकार इलैयाराजा के पुत्र कार्तिकराज द्वारा संगीत समारोह का आयोजन होगा। सम्मेलन के मुख्य आयोजको तथा उत्सव समिति के सदस्यों द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही है।

कराबी निगम ने महत्वपूर्ण चिकित्सा सहायता दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबी निगम), जो श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक वैधानिक निकाय है, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों तथा उनके परिवारजनों को निरंतरचिकित्सीय एवं मौद्रिक सहायता सहित आवश्यक सामाजिक सुरक्षा हितलाभ प्रदान करता है।

निगम के चेन्नई क्षेत्रीय कार्यालय जो राजस्व एवं वितरित हितलाभों की दृष्टि से प्रमुख इकाइयों में से एक है, ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। जिनमें लाभार्थियों को नकदरहित चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराना शामिल है। आपातकालीन परिस्थितियों में निगम द्वारा चिकित्सा व्यय की प्रतिपूर्ति की सुविधा भी प्रदान की जाती है। गत 13 अगस्त को आयोजित सुविधा समागम बैठक के दौरान ए वेणु गोपाल, क्षेत्रीय निदेशक (प्रभारी) एवं डॉ. एस. सुब्रमणियन, राज्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा एम. सरवनन को चिकित्सीय व्यय प्रतिपूर्ति की स्वीकृति आदेश प्रदान किया गया। जिनके पुत्र मास्टर जीवन का हृदय प्रत्यारोपण हुआ था। प्रारंभ में निगम योजना के हितलाभों से अनभिज्ञ होने के कारण सरवनन ने निजी चिकित्सालय में उपचार कराया था। तत्पश्चात निगम कार्यालय से संपर्क करने पर उनके चिकित्सा व्ययों की राशि लगभग 9 लाख 68 हजार रुपए की प्रतिपूर्ति की गई। निगम कार्यालय वर्तमान में कई गंभीर मामलों में भी सहयोग प्रदान कर रहा है। हंटर रोग से पीड़ित तिरुपूर का एक लड़का, जिसे एंजाइम प्रतिस्थापनचिकित्सा की आवश्यकता है, जिसकी औषधि की खरीद सहित 1 वर्ष के लिए लागत 1.2 करोड़ है, जिसको निगम मुख्यालय की स्वीकृति के पश्चात् चिकित्सा दी जा रही हैं।

भीतर की निर्मलता है साधना का मूल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि वर्तमान परिस्थिति में मनुष्य इस संसार की चकाचौंध और बाहरी आकर्षणों में उलझ गया है। वह राग-द्वेष और विषय-कषायों में लिप्त होकर अपने जीवन को असंतुलित बना रहा है। अज्ञान रूपी अंधकार में डूबा हुआ जीवन कभी भी वास्तविक शांति और सुख प्राप्त नहीं कर सकता। भगवान महावीर ने अपने विशुद्ध ज्ञान से समस्त लोक और अलोक का साक्षात्कार किया और अपने उपदेशों के द्वारा मानव को अंधकार से प्रकाश की ओर, बंधन से मुक्ति की ओर और सांसारिक दुःखों से आत्मिक आनंद की ओर ले जाने वाला मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने बताया कि आत्मकल्याण और मोक्ष का मार्ग किसी बाहरी साधन से नहीं, बल्कि स्वयं के पुरुषार्थ और साधना से ही प्रशस्त होता है। हर साधक को चाहिए कि वह अपनी आत्मा की शुद्धि के लिए नियमित साधना, तप, स्वाध्याय और आत्मचिंतन करे। जब मनुष्य भीतर से निर्मल होता है, तभी बाहरी संसार का मोह स्वयं छूटने लगता है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि वाणी पर संयम अति आवश्यक है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(एक महारत्न कंपनी)

एचपी लुब्रिकेंट्स वितरकों की नियुक्ती

योग्य उम्मीदवारों से विभिन्न स्थानों पर चैनल पार्टनर के रूप में चयन हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

1. इंडस्ट्रियल ल्यूब डिस्ट्रीब्यूटर्स (आईएलडी)
2. बाजार ल्यूब डिस्ट्रीब्यूटर्स (बीएलडी/रुरल बीएलडी)

विज्ञापन और आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट **https://www.hplubricants.in** पर जाएं और इस पथ का अनुसरण करें: Lube Distributor >> Become a Distributor.

विज्ञापन से संबंधित विवरण के लिए वेबसाइट पर अपलोड किए गए स्थानों/चयन दिशानिर्देशों को देखें। कोई आवेदन शुल्क नहीं है। आवेदन और सभी संलग्न/अटैचमेंट पूरी तरह से भरकर, 3 अक्टूबर 2025 को 23:59 बजे (आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि) से पहले ऑनलाइन जमा किए जाने चाहिए।

यदि कोई शुद्धिपत्र/परिशिष्ट होगा, तो उसे वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

/hplubricants_hpcl | /hpcl
@hplubricants | /hp-lubricants

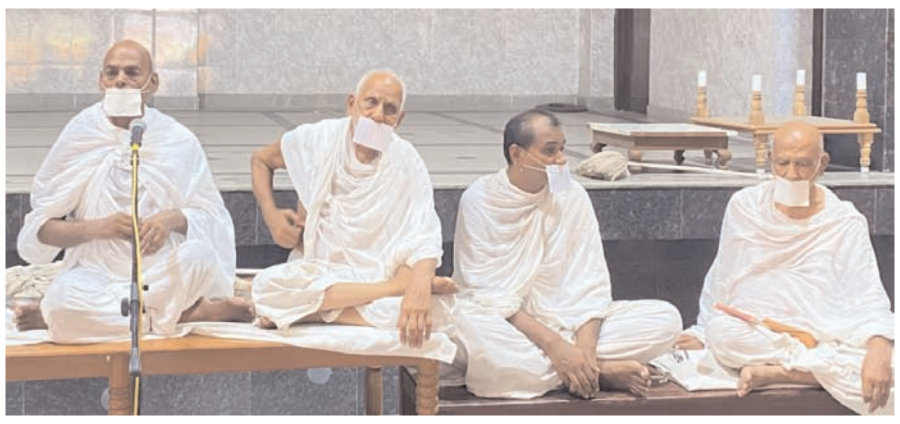

साधना से अभिशाप से मुक्ति पाई जा सकती है : कमल मुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के साहुकारपेट के जैन भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनि कमलेश ने गुरुवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जिस प्रकार बीमारी आने पर डॉक्टर सर्जरी दवाई देकर बीमारी से मुक्त कर सकता है। वैसे ही कर्मों की बीमारी को भी तप और साधना से सर्जरी करने का मार्ग महापुरुषों बताया है। उसके द्वारा कर्मों की बीमारी से मुक्ति पाई जा सकती है। व्यक्ति के विचारों में भ्रांत धारणा है, जो कर्म किया वह तो भोगना ही पड़ेगा। पुरुषार्थ हीन जाएगा फिर उसमें निराशा आ जाएगी, भोगना ही पड़ेगा तो साधना क्यों करूं।

उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में होने वाले कार्यों में जब तक राग द्वेष के भावों का समावेश ना हो, उसमें निकाचित कर्मों का बंधन नहीं होता, वह कर्म आलोचना और पश्चाताप समाप्त हो जाते हैं। मुनि कमलेश के बताया कि व्यक्ति सोचता है पहले जन्म में किया जो अभी मिलेगा, और अभी करूंगा वह अगले जन्म में मिलेगा, अज्ञान धारणाओं का शिकार बनता है। 48 मिनट में व्यक्ति अपने नए भविष्य का निर्माण ,अपने कर्मों के माध्यम से कर सकता है पुराने से मुक्ति पा सकता है। राष्ट्रसंत ने कहा कि कर्मों में कहीं ईश्वर का हस्तक्षेप नहीं है, कर्मों को महापुरुषों ने भी नहीं छोड़ा, शुभ और अशुभ कर्म हम ही बांधते हैं हम ही भोगते हैं। कर्म उदय आने पर रोना-धोना और हाय-तौबा नहीं करना, ज्ञान युक्त साधना करके उसकी निर्जरा करनी चाहिए। साधना के द्वारा मिले हुए अभिशाप से भी मुक्ति पाई जा सकती है। दुख और संकट आने पर दूसरों को दोष न देते हुए,संभाव से सहन करने वाला सच्चा ज्ञानी है ऐसे विचारों से नए कर्मों का बंधन नहीं होता है। सभी धर्म में साधना को किसी ना किसी रूप में महत्व दिया गया है। इसका सहारा लेकर आत्म मोक्ष मंजिल तक को प्राप्त कर सकती है। दुर्गति से मुक्ति पा सकती है। तपस्वी सक्षम मुनिजी के तीस उपवास है। कौशल मुनि घनश्याम मुनि ने विचार व्यक्त किया। बेंगलूरु के वरिष्ठ श्रावक भंवरलाल पगारिया का स्वागत चातुर्मास समिति के अध्यक्ष प्रकाश ख़िवसरा ने किया। संचालन महामंत्री डॉक्टर पिंचा ने किया।

नेत्र शिविर में 63 लोग हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 10 सितम्बर को अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 27वा निशुल्क नेत्र शिविर लगाया गया।

अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन द्वारा और अग्रवाल आई रिसर्च सेंटर हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित इस शिविर में 63 लोगों ने निशुल्क आंख जांच कराई , 18 लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 2 को निशुल्क मोतिया बिंदु सर्जरी कराई जाएगी। यह शिविर अजय नाहर, शारदा अग्रवाल, शालिनी अग्रवाल, सरला मंगल के सहयोग से किया गया। शिविर में रणजीत शाह, डॉ. योगिता, सुंदरलाल, उगमराज और हितेश का योगदान रहा। अगला शिविर 24 सितम्बर को लगाया जाएगा।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094182, 4541 फैक्स : 080-28094180

संशोधन-II दिनांक 11.09.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/ई/एमएआईएनटी/ ईटीएन-52 / 2025-26 दिनांक 08.08.2025
कार्य का नाम	आईडीएसएन परिसर, इस्ट्रैक, बेंगलूरु में 200 किलोवाट के ग्राउंड माउंटेड पुराने सौर संयंत्र का पुनरुद्धार।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 23.09 लाख
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	05 (पाँच) माह
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	09.08.2025 को 16.00 बजे से 23.08.2025 को 16.00 बजे से तक जिसे 06.09.2025 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। **अब 20.09.2025 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।**
बोली स्पष्टीकरण	10.08.2025 को 11.00 बजे से 24.08.2025 को 16.00 बजे से तक जिसे 07.09.2025 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। **अब 21.09.2025 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।**
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	25.08.2025 को 16.00 बजे तक जिसे 08.09.2025 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। **अब 22.09.2025 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।**
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	26.08.2025 को 16.00 बजे तक जिसे 09.09.2025 को 16.00 तक बढ़ाया गया था। **अब 23.09.2025 को 16.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।**
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	28.08.2025 को 11.00 बजे के बाद जिसे 11.09.2025 को 11.00 तक बढ़ाया गया था। **अब 25.09.2025 को 11.00 बजे तक और अधिक बढ़ाया गया है ।**
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 46,180.00

पात्रता मानदंड और अन्य ब्यौरे के लिए इच्छुक निविदाकार विस्तृत सूचना आमंत्रण निविदा (एनआईटी) देंखे जिसे वेबसाइट www.isro.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। बोली प्रपत्र औप अन्य ब्यौरे वेबसाइट www.tenderwizard.com/ISRO से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

'संसार दुःखरुप, आत्मा सुखरुप, यही है समकित दृष्टि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित परम पूज्य पंन्यास विमल पुण्यविजयजी म.सा. ने गुरुवार को 'समकित के 67 बोल' ग्रंथ की सूक्ष्म विवेचना करते हुए सम्यक्त्व के पाँच लक्षणों का सरल और सारगर्भित विश्लेषण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा गति महत्व की नहीं है, प्रगति महत्व की है। केवल आराधना से गति तो मिल सकती है, किंतु सन्मति के बिना प्रगति संभव नहीं। गति के साथ मति जुड़ती है तो प्रगति होती है। गति अपने लक्ष्य की ओर जा सकती है पर सन्मति के अभाव में प्रगति नहीं। उन्होंने कहा कि तीन दोषों से रहित परिभाषा होनी चाहिए, तब ही जिनशासन को स्वीकार्य है अति व्यापी, अव्यापी और असंभव।

महाराजश्री ने स्पष्ट किया कि समकित आत्मा में पाँच लक्षण अनिवार्य रूप से होने चाहिए उपशम (समभाव) यानी अपराधी के प्रति भी प्रतिकूल भाव न लाना।जगत में कोई अपराधी नहीं, केवल कर्म ही अपराधी है। संवेग यानी संसार के भौतिक पदार्थों को दुःखरूप मानकर केवल मोक्ष की आकांक्षा रखना।निर्वेद यानी संसार की नश्वरता का बोध और उससे विरक्ति। अनुकम्पा यानी हर जीव के प्रति करुणा और हितकारी दृष्टि। आस्तिकता यानी आत्मा और जिनशासन पर अटूट आस्था। उपशम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि समभाव वही है जिसमें अपराधी के प्रति भी दुर्भाव न हो। जैसे को तैसा का व्यवहार समकित में नहीं चलता। चोर को चोर कहना या उसे केवल दंडित करना समाधान नहीं है, अपितु समझाना ही सच्चा धर्म है। संवेग की व्याख्या में उन्होंने कहा कि संसार का हर भौतिक साधन दुःख का कारण है। यदि लक्ष्य मोक्ष सुख पर स्थिर हो जाए, तो कर्मबंध अल्प हो जाते हैं और आत्मा की प्रगति का मार्ग खुलता है। अंत में पंन्यासश्री ने कहा, सम्यक्त्व वह दृष्टि है, जो जगत को उपकारी मानती है और आत्मा को मोक्ष की ओर अग्रसर करती है।

संसार में रहें मगर संसार को अपने भीतर न रहने दें : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में विराजित ओजस्वी वक्ता श्री कपिलमुनिजी मसा ने गुरुवार को प्रवचन के दौरान कहा कि किसी एक ही तत्व का बार बार चिंतन करना भावना कहलाती है। बारह भावनाओं का चिंतन मनन विषय कषायों से विरक्त और धर्म में अनुरक्त बनाता है। जीवन के प्रति राग और मरण के भय से मुक्ति दिलाता है। संसार की नश्वरता, आयु की क्षणभंगुरता और सम्बन्धों की स्वार्थपरता का चिंतन वैराग्य भाव को जगाता है। वैराग्य भाव जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि है। 'संसार भावना' का चिंतन साधक को यह समझने में भी मदद करता है कि धन, शक्ति, इन्द्रिय सुख और भौतिक वस्तुएँ सच्चा सुख नहीं दे सकतीं। सच्चा सुख भौतिक संसार के प्रति आसक्ति से नहीं, बल्कि विरक्ति भाव से प्राप्त होता है। संसार भावना का निरंतर चिंतन करने से यह विचार आता है कि क्या हम संसार में हैं या संसार हमारे भीतर है? संसार में रहने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन संसार को अपने भीतर न रहने दें। जैसे नौका बाहर पानी होने पर किनारे तक पहुँच सकती है, लेकिन अंदर पानी होने पर डूब जाती है। मुनि श्री ने कहा कि जिस घर परिवार को अपना मान कर व्यक्ति कोई भी पाप करने में संकोच नहीं करता। वे कर्मों का विपाक उदय में आने पर सहभागी नहीं बनते जो जीव जैसे परिणाम करता है उसे उसका वैसा ही फल मिलता है।अपनी अपनी करनी के अनुसार कर्मबंध करके यह जीव चारों गतियों में भटकता फिरता है।

आज जिस परिवार के भरण पोषण की खातिर मनुष्य व्यापार आदि में चोरी, बेइमानी आदि करके नरकादि गतियों का बंध करके अकेला ही परलोक में जाता है। उस दुख में साथ देने के लिए यह परिवार वहाँ उसके साथ नही जाएगा। परिवार के लोग अपने कर्मों के अनुसार अन्य गतियों में जाएंगे, क्योंकि यह जीव कर्मों के संयोग से इस संसार में सदा अकेला आता है और अकेला ही जाता है। एक तिनका भी अपने साथ नही ले जा सकता। जिस देह को अपना मान कर यह जीव उसके मोह में अंधा हो जाता है और निज स्वरूप को भूल कर रात-दिन इस शरीर को हष्टपुष्ट करने में लगा रहता है। वो देह भी उसकी अपनी नहीं है समय के साथ शरीर को भी जीर्ण-शीर्ण होना है। एक दिन शरीर को भी नष्ट होकर मिट्टी में ही मिल जाना है। फिर भी यह जीव देह में अपनत्व मान कर निरंतर दुख ही उठाता रहता है। इसलिए इस देह से तथा समस्त पर - पदार्थों से मोह को हटा कर पंच परमेष्ठी की शरण को स्वीकार करने में देरी नहीं करनी चाहिए। अध्यक्ष अमरचंद छाजेड ने बताया कि इस मौके पर पदमचंद रांका ने गुरुदेव के मुखारबिन्द से 23 उपवास के प्रत्याख्यान अंगीकार किये। धर्म सभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.